# हिन्दी पुष्पमाला

# IV

*लेखक :*
इबोहल सिंह काङ्जम
देवराज
रघुमणि शर्मा
लोकेन्द्र शर्मा
ब्रजकुमार शर्मा
लनचेनबा मीतै

बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एडूकेशन
मणिपुर

***Published By :***
The Secretary ,
Board of Secondary Education,
Manipur

© Board of Secondary Education, Manipur

| | | |
|---|---|---|
| First Edition | : | 2011 |
| Second Edition | : | 2012 |
| Reprint | : | 2013 |
| Third Edition | : | October, 2014 |
| Reprint | : | December, 2015 |
| Reprint | : | January, 2017 |
| No. of copies | : | 13,000 |
| Reprint | : | January, 2018 |
| Reprint | : | September, 2019 |

No. of copies : 11,000

*Price : Rs. 60/-*

***Printed at* : S.D. Printers, Singjamei Mayengbam Leikai Imphal**

# सचिव का निवेदन

विश्व की बदलती परिस्थितियों, वातावरण और परिवेश के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए यह बोर्ड नेसनल करिक्यूलम फ्रेमवार्क-2005 के अनुसार पाठ्य पुस्तकों का निर्माण कराकर प्रकाशित करता आ रहा है। शिक्षा को उच्च स्तर तक उठाना इस बोर्ड की कोशिश रही है।

जो पुस्तकें नेसनल करिक्यूलम फ्रेमवार्क, 2000 के अन्तर्गत लिखकर प्रकाशित की गईं, उनको नये नेसनल करिक्यूलम फ्रेमवार्क, 2005 के अनुसार संशोधित तथा परिवर्धित कर समयानुकूल बनवाकर प्रकाशित किया जा रहा है। यह भी लक्ष्य रखा गया है कि मणिपुरी वातावरण के साथ उनका संगत हो। इसलिए पूरी सावधानी रखवाकर पुस्तकों को फिर से तैयार करवाकर प्रकाशित किया जा रहा है। लेखकों और परीक्षण-परिमापन करने वालों के साथ बैठकर काफी गहराई तथा विस्तुत रूप से विचार-विमर्श कर पुस्तकों की कमियों और त्रुटियों का परिमार्जन कराकर पुस्तक प्रकाशित की जा रही है।

इस पुस्तक के निर्माण में और छात्रों के द्वारा व्यवहार करवाने में जो समस्याएँ आईं उसका समाधान किया गया है । उसके बाद जो परिणाम सामने आए उन कसौटियों पर मैंने लेखकों और सम्बन्धित व्यक्तियों से परामर्श किया है। इस कार्य में लेखकों तथा सम्बन्धित सज्जनों ने जो सहयोग दिया है उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ ।

इस पुस्तक को और भी उत्कृष्ट बनाने के लिए जो भी सुझाव सुधीजनों की तरफ से आएंगे उनका सादर स्वागत किया जाएगा। अत: रचनात्मक सुझाव और परिमार्जन के लिए विद्वज्जन अपना सहयोग प्रदान करें ।

डा. चीथूङ मेरी थोमास
सचिव

# गांधीजी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ:

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगी। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा ? क्या उससे वह अपने हो जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

# प्रस्तावना

शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्तित्व का विकास करना है । इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निर्धारित न्यूनतम अधिगम स्तर के अनुरूप शिक्षण-विधि और सामग्री का प्रयोग किया जाना आवश्यक है । द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का अध्ययन करने वाले शिक्षार्थियों को चौथी कक्षा में दैनिक जीवन सम्बन्धी साधारण बातचीत को सुन कर समझ सकने, एक कार्य के सम्बन्ध में मौखिक निर्देशों का अर्थ जान सकने, वार्तालाप हेतु साधारण वाक्यों के प्रयोग, पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं व कहानियों की आवृत्ति, सही उच्चारण, सार्वजनिक स्थानों पर लिखी सूचनाओं को पढ़ने-जानने, अध्यापक द्वारा बोले गए शब्दों-वाक्यों को सही-सही लिख पाने, साधारण प्रश्नों के उत्तर सोच कर देने, दैनिक व्यवहार सम्बन्धी सामान्य प्रश्न स्वयं निर्मित कर सकने जैसी योग्यताएँ उपलब्ध कर लेनी चाहिए । अध्यापकों को शिक्षण-योजना बनाते समय इन बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना होगा । इसके लिए अभ्यास की निरन्तरता के साथ ही योग्यता के सतत मूल्यांकन की योजना बना कर कार्य करना अनिवार्य है । ध्यान यह रखा जाना चाहिए कि शिक्षार्थियों का मस्तिष्क आक्रान्त न हो, बल्कि अभ्यास की अवधि में उनकी रुचि बढ़े । कक्षा में ही मूल्यांकन की शैली भी स्वाभाविक और सहज होनी चाहिए । अच्छा हो कि शिक्षार्थी को पता ही न चले कि उसकी योग्यता की परीक्षा की जा रही है ।

कोई भी पाठ पढ़ाते समय शिक्षार्थियों की मनोभूमि तैयार की जानी आवश्यक है । विशेषकर कविता पढ़ाने के पूर्व बालकों से ऐसे साधारण प्रश्न किए जाने चाहिए, जिनसे कविता में वर्णित विषय—पशु-पक्षी व अन्य प्राणियों—के सम्बन्ध में उनके पूर्व-ज्ञान का पता चले । इसके पश्चात स्वयं अध्यापक को सम्बन्धित कविता की आवृत्ति शुद्ध उच्चारण और हाव-भाव

के साथ करनी चाहिए । इसके पश्चात बालकों से एकल और सामूहिक आवृत्ति कराई जानी चाहिए । इससे शिक्षार्थियों का सौन्दर्य-बोध बढ़ेगा, उनमें आनन्द का संचार होगा और कविता का मूल भाव समझ में आने में सुविधा होगी । अध्यापक इससे जुड़ी अन्य प्रविधियों का उपयोग भी कर सकते हैं और प्रयोग के आधार पर कुछ नवीन पद्धतियों का विकास भी कर सकते हैं ।

यह पाठ्य-सामग्री जिज्ञासा, रुचि, ज्ञानार्जन, मूल्यबोध, आधुनिक जीवन, समाज, विश्व, संस्कृति, इतिहास, नागरिक-जीवन की शिक्षा, प्रकृति-प्रेम पर्यावरण-चेतना, भाषा-ज्ञान, व्याकरण की व्यावहारिक शिक्षा, कौशल आदि तत्वों को ध्यान में रख कर तैयार की गई है । स्थानीय इतिहास, संस्कृति, जन-जीवन आदि विभिन्न पक्षों को इसमें विशेष महत्व प्रदान किया गया है । अध्यापकों को चाहिए कि वे शिक्षण क्रम में इन बिन्दुओं पर ध्यान दें तथा यथासंभव अतिरिक्त प्रसंगानुकूल जानकारी देकर शिक्षार्थियों के चिन्तन और व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सार्थक भूमिका निभाएँ । मूल्यपरक एवं स्तरीय शिक्षा के लिए औपचारिक के साथ-साथ अनौपचारिक शिक्षण-प्रविधि का प्रयोग भी किया जाना चाहिए । चित्रों का प्रयोग, कक्षा के भीतर ही बाल-सभाओं का आयोजन, विद्यालय के आसपास के दर्शनीय स्थानों का भ्रमण, पत्र-पत्रिकाओं की छात्रोपयोगी सामग्री का प्रयोग, रेडियो व दूरदर्शन के शैक्षणिक कार्यक्रमों से शिक्षार्थियों को जोड़ना आदि इसी के अंग हैं । इस ओर ध्यान देकर बालकों के माध्यम से समाज और राष्ट्र का विकास किया जा सकता है ।

अध्यापकों के सुझावों का स्वागत है ।

- लेखक मण्डल

**पुनर्विलोकन व परिशोधन-कर्ता**

खाङेम्बम तोमचौ सिंह

क्षेत्रिमयुम प्रमिला देवी

**अन्तिम निर्णायक**

इबोहल सिंह काङ्जम

# पाठ-सूची


| | | |
|---|---|---|
| 1. | पुनरावृत्ति | 1 |
| 2. | सङाइ | 6 |
| 3. | सफाई का महत्व | 11 |
| 4. | राजहंस और कौवा | 16 |
| 5. | इम्फाल : नगर और लोग | 20 |
| 6. | बालक | 24 |
| 7. | मोर | 27 |
| 8. | वीर टिकेन्द्रजीत | 31 |
| 9. | गुरु-पूर्णिमा | 36 |
| 10. | मातृभूमि | 40 |
| 11. | लोक्ताक | 43 |
| 12. | हवाई-जहाज | 49 |
| 13. | व्यायाम और स्वास्थ्य | 54 |
| 14. | तप्ता | 58 |
| 15. | कोयल रानी | 63 |
| 16. | हमारा पर्यावरण | 67 |
| 17. | याओशङ् | 72 |
| 18. | रानी लक्ष्मीबाई | 78 |
| 19. | रक्षा-बन्धन | 84 |
| 20. | विविधता में एकता | 90 |
| | नागरिकों के मूल कर्तव्य | 96 |
| | राष्ट्र-गान | 98 |

# पाठ-एक

# पुनरावृत्ति

विद्यार्थी, ब्राह्मण, सज्जन, उद्योगपति, दफ्तर, स्वप्न, स्टेशन, कुल्हाड़ी, पुष्प, ख्वाब, भयानक, प्याला, खाली, दासी, खराब, गिलास, सब्जी, ज्यादा, ग्लास, तख्त, अस्पताल, प्रश्न, अभ्यास, अवश्य, द्वार, रस्सी, हल्ला, पूजा, नागरिक, संस्था, संस्थापक, सचिव, अन्धा, अनन्नास, सेव, लीची ।

| | |
|---|---|
| मैं विद्यार्थी हूँ । | हम अध्यापक हैं । |
| तू छात्र है । | तुम ब्राह्मण हो । |
| | आप सज्जन हैं । |
| वह डॉक्टर है । | वे उद्योगपति हैं । |
| यह दफ्तर है । | ये चिट्ठियाँ हैं । |
| मैं यह काम करता हूँ । | हम अनन्नास खाते हैं । |
| तू स्वप्न देखता है । | तुम स्कूल जाते हो । |
| | आप ध्यान करते हैं । |
| वह स्टेशन जाता है । | वे कुल्हाड़ी खरीदते हैं । |
| पुष्प सुन्दर था । | सेव अच्छे थे । |
| ख्वाब भयानक था । | प्याले खाली थे । |
| अम्मा बीमार थी । | पुस्तकें खराब थीं । |
| मन्थरा दासी थी । | सब्जियाँ ज्यादा थीं । |
| एक बच्चा रोया । | ग्यारह गिलास टूटे । |

ग्वाल दूध लाया ।
मैंने बिस्कुट खाया ।
उसने लीची खाई ।

पन्द्रह कुत्ते दौड़े ।
मैंने दो आम खाए ।
उन्होंने लीचियाँ खाईं ।

मैं तख्त पर बैठूँगा ।
तू प्रश्न करेगा ।

हम अस्पताल जाएँगे ।
तुम अवश्य आओगे ।
आप द्वार खोलेंगे ।

वह रस्सी बेचेगा ।
ब्राह्मण पूजा करेगा ।
लक्ष्मी आज लौटेगी ।

वे अभ्यास करेंगे ।
बच्चे हल्ला करेंगे ।
अन्धी स्त्रियाँ नाचेंगी ।

मैं कौन हूँ ?
मैं कौन हूँ ?
हम कौन हैं ?
हम कौन हैं ?
तू कौन है ?
तुम कौन हो ?
आप कौन हैं ?
तुम लोग कौन हो ?
वह कौन है ?
वे कौन हैं ?
वह क्या है ?
वे क्या हैं ?
यह क्या है ?
ये क्या हैं ?

तुम छात्र हो ।
आप अध्यापिका हैं ।
तुम लोग क्लर्क हो ।
आप लोग मालिक हैं ।
मैं दुकानदार हूँ ।
मैं एक समाज-सेवक हूँ ।
मैं डाक्टर हूँ ।
हम ब्रिटिश-नागरिक हैं ।
वह प्रह्लाद का लड़का है ।
वे ब्राह्मण हैं ।
वह इस संस्था का सचिव है ।
वे इस संस्था के संस्थापक हैं ।
यह मणिपुर का नक्शा है ।
ये रंग-बिरंगे झण्डे हैं ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

विद्यार्थी = छात्र, शिष्य।

उद्यागपति = माल तैयार करने वाले कारखाने का मालिक।

दफ्तर = ऑफिस, कार्यालय।

स्वप्न = सपना।

ख्वाब = सपना।

तख्त = सिंहासन, लकड़ी की बड़ी चौकी।

सचिव = मंत्री, सेक्रेटरी, किसी संस्था के लिए उत्तरदायी व्यक्ति।

**2. सुनो, सोचो और उत्तर दो :**

**(क)** मैं कौन हूँ ?

**(ख)** हम कौन हैं ?

**(ग)** तू कौन है ?

**(घ)** तुम कौन हो ?

**(ङ)** वह कौन है ?

**(च)** वे कौन हैं ?

**(छ)** यह क्या है ?

**(ज)** ये क्या हैं ?

**3. पढ़ो और याद रखो :**

| | | |
|---|---|---|
| तू बैठ । | तुम बैठो । | आप बैठिए । |
| तू आ । | तुम आओ । | आप आइए । |
| तू हँस । | तुम हँसो । | आप हँसिए । |
| तू लिख । | तुम लिखो । | आप लिखिए । |
| तू पढ़ । | तुम पढ़ो । | आप पढ़िए । |
| तू खा । | तुम खाओ । | आप खाइए । |

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** मैं काम-------------------------------- ।

**(ख)** हम------------------------------ खाते हैं।

**(ग)** तुम स्कूल------------------------------ ।

**(घ)** आप---------------------------------- हैं।

**(ङ)** मैंने मछली------------------------------ ।

**(च)** उसने------------------------------ खाए।

**(छ)** ---------------------------------आएँगी।

**5. वाक्य विस्तार करो :**

**उदाहरण**– वह फल खाता है।
वह एक मीठा फल खाता है।

**(क)** लड़का दौड़ता है।

-------------------------------------------------

**(ख)** फूल खिलता है।

-------------------------------------------------

**(ग)** तू गिलास ला।

-------------------------------------------------

**(घ)** तुम रोटी खाओ।

-------------------------------------------------

**(ङ)** आप चित्र देखिए।

-------------------------------------------------

**6.** **पहचानो और बोलो :**

ब्याज, ज्ञान, क्षत्रिय, स्वप्न, हृदय, सप्ताह, रुई, डमरू, वज्र, दृष्टि, प्रकृति, चिह्न, नक्शा, ब्राह्मण, रुपया, राष्ट्र, उद्योग, शिक्षक, परिश्रम, प्रह्लाद, वर्ग, लक्ष्मी, द्वार ।

**7.** **देखो और लिखो :**

क्षत्रिय लक्ष्मी ब्राह्मण उद्योग

वे कुल्हाड़ी खरीदते हैं।

वे इस संस्था के संस्थापक हैं।

## पाठ - दो

# सङाइ

तैयारी, झूठ, भला, विशेषता, सींग, निराला, अर्धचन्द्राकार, रोआँ, ऋृतु, हिरण, प्रजाति, बदलना, आश्चर्यजनक, प्राणी, दुनिया, प्रसिद्ध, लगभग, चिड़ियाघर, यार, फिर ।

तोम्बा - अरे ! चाओबा ।

चाओबा - हाँ, तोम्बा ।

तोम्बा - कहाँ जाने की तैयारी में हो ?

चाओबा - कैबुल लमजाओ।

तोम्बा - कैबुल लमजाओ कहाँ है ?

चाओबा - इम्फाल से 50 कि. मी. दक्षिण की ओर है ।

तोम्बा - वहाँ क्यों जा रहे हो ?

चाओबा - सङाइ देखने के लिए ।

तोम्बा - अरे यार ! सङाइ क्या है ?

चाओबा - तुम सङाइ को नहीं जानते ?

तोम्बा - नहीं तो ।

चाओबा - सङाइ एक पशु है । यह केवल मणिपुर में ही पाया जाता है ।

तोम्बा - सच !

चाओबा - मैं क्यों झूठ बोलूँगा भला !

तोम्बा - उसकी क्या विशेषता है ?

चाओबा - इसके सींग निराले होते हैं ।

तोम्बा - कैसे ?

चाओबा - अर्धचन्द्राकार जैसे । इसके रोओं का रंग हर ऋतु में थोड़ा-सा बदल जाता है । वह हिरण की प्रजाति का जानवर है ।

तोम्बा - अरे यार ! सङाइ तो एक आश्चर्यजनक प्राणी है ।

चाओबा - हाँ यार । इसीलिए वह दुनिया भर में प्रसिद्ध है । कैबुल लमजाओ को उसका घर जाना जाता है । इरोइसेम्बा उसका दूसरा घर है ।

तोम्बा - इरोइसेम्बा कहाँ है ?

चाओबा - इम्फाल से लगभग 5 कि. मी. दूर है । मणिपुर सरकार ने इरोइसेम्बा के चिड़ियाघर को सङाइ का दूसरा घर बना दिया है ।

तोम्बा - यह तो बहुत अच्छा है ।

चाओबा - तो मैं जाता हूँ ।

तोम्बा - ठीक है । कल फिर मिलेंगे ।

चाओबा - हाँ यार । कल फिर मिलेंगे ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

विशेषता = खूबी।

निराला = अनोखा, असाधारण, अनूठा।

आश्चर्यजनक = विस्मय पैदा करने वाला।

प्रसिद्ध = मशहूर, ख्यात।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** कैबुल लमजाओ कहाँ है ?

**(ख)** सङाइ क्या है ?

**(ग)** सङाइ की क्या विशेषता है ?

**(घ)** सङाइ के सींग कैसे होते हैं ?

**(ङ)** सङाइ का दूसरा घर कहाँ है ?

**(च)** इरोइसेम्बा कहाँ है ?

**(छ)** मणिपुर में उपलब्ध दो जानवरों के नाम लिखो।

**(ज)** मणिपुर का नक्शा खींच कर यह सूचित करो कि कैबुल लमजाओ कहाँ है।

**3. वाक्य बनाओ :**

उदाहरण :-

निराला - सङाइ के सींग निराले होते हैं ।

तैयारी ---------------------------------------

केवल ---------------------------------------

विशेषता ---------------------------------------

अर्धचन्द्राकार------------------------------------------

प्रसिद्ध-----------------------------------------------

आश्चर्यजनक------------------------------------------

**4. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| सङाइ | का<br>के | देखने में सुन्दर<br>हिरण की प्रजाति का जानवर<br>सींग अर्धचन्द्राकार होते<br>केवल मणिपुर में पाया जाता<br>दूसरा घर इरोइसेम्बा में | है ।<br>हैं । |

--------------------------------------------------

--------------------------------------------------

--------------------------------------------------

--------------------------------------------------

--------------------------------------------------

**5. ''क्यों'' शब्द का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाओ ।**

--------------------------------------------------

--------------------------------------------------

--------------------------------------------------

6. ''कहाँ'' शब्द का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाओ ।

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

7. देखो और लिखो :

सङाइ अर्धचन्द्राकार प्रसिद्ध

सङाइ हिरण की प्रजाति का है।

सङाइ के सींग अर्धचन्द्राकार होते हैं।

------

## पाठ -तीन

# सफाई का महत्व

सफाई, मतलब, स्वच्छता, साफ-सुथरा, स्वास्थ्य, आधार-स्तम्भ, कपड़ा, जरूरी, वातावरण, काफी, दूषित, तरह, बीमारी, दायित्व, इसलिए, सार्वजनिक, कर्तव्य, सड़क, रेलवे-स्टेशन, बस-अड्डा, थूक, बेकार, खराब, आदत, जगह, हमेशा, थूकदान, कूड़ेदान, उपयोग, भीड़, खाँसना, छींकना, ढकना, साँस, कीटाणु, शीतल, शुद्ध, प्रवेश, धोना, पकड़ना, आवश्यक, मलेरिया, हैजा, आदि, पनपना, शौचालय, मक्खी, गन्दा, बस्ती, सफल, आयु, मुख्य, आधार, नियम , पालन, ध्यान, शुरू ।

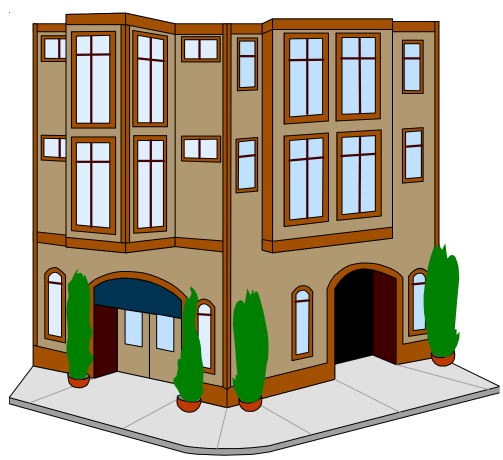

सफाई का मतलब है-स्वच्छता, साफ-सुथरा रहना । स्वच्छता स्वास्थ्य का आधार-स्तम्भ है । स्वास्थ्य के लिए हमारे शरीर तथा कपड़ों की सफाई बहुत जरूरी है । हमारा वातावरण काफी दूषित होता जा रहा है । सफाई के अभाव में हम तरह-तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं । स्वच्छता एक सामाजिक दायित्व भी है । इसलिए सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना हम सब का कर्तव्य है । सड़कों, रेलवे-स्टेशन तथा बस-अड्डों पर बिना सोचे-समझे थूक देना,

बेकार चीजें फेंक देना खराब आदत है । ऐसी जगह हमेशा थूकदान और कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए । भीड़ में खाँसते और छींकते समय रुमाल से मुँह ढक लेना चाहिए । हमारी साँस से बीमारियाँ फैल सकती हैं । हमें अपना शरीर तथा कपड़े भी साफ-सुथरे रखने चाहिए । खाने के पहले और बाद में हमेशा हाथ-मुँह तथा दाँत साफ करना बहुत जरूरी है । साफ रहने से शरीर में कीटाणु प्रवेश नहीं करते और हम बीमार नहीं पड़ते । आँखें हमेशा शीतल और शुद्ध जल से अच्छी तरह धोनी चाहिए । इससे आँखों को बीमारियाँ नहीं पकड़तीं ।

घर के चारों तरफ हमेशा सफाई रखनी आवश्यक है । साफ जगह पर मलेरिया, हैजा आदि के कीटाणु नहीं पनपते । इसके साथ ही शौचालय साफ रखना भी बहुत जरूरी है । मक्खियाँ शौचालय से भी बीमारी फैलाती हैं । गन्दी बस्तियों में बीमारियाँ जल्दी फैलती हैं; क्योंकि वहाँ सफाई नहीं रहती । इससे बहुत लोग मर जाते हैं ।

शरीर स्वच्छ रहने से मन साफ रहता है । मन स्वच्छ रहने से सारे काम सफल होते हैं। सफाई लम्बी आयु का मुख्य आधार भी है । हम सब को सफाई के नियमों का पालन करना चाहिए । सफाई से रहना अच्छी आदत है । हम आज से ही इस ओर ध्यान देना शुरू करें ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

| | | |
|---|---|---|
| स्वास्थ्य | = | स्वस्थता, आरोग्य (हैल्थ)। |
| आधार-स्तम्भ | = | नींव, किसी कार्य या वस्तु का मुख्य आधार। |
| सार्वजनिक | = | सब लोगों से सम्बन्ध रखने वाला। |
| शीतल | = | ठंडा। |
| शुद्ध | = | साफ, निर्मल, पवित्र। |

**2.** **उत्तर दो :**

**(क)** सफाई का क्या मतलब है ?

**(ख)** स्वास्थ्य के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

**(ग)** हमें भीड़ में खाँसते और छींकते समय क्या करना चाहिए ?

**(घ)** खाने के पहले और बाद में क्या करना जरूरी है ?

**(ङ)** आँखें हमेशा शीतल और शुद्ध जल से क्यों धोनी चाहिए ?

**(च)** घर के चारों तरफ सफाई क्यों रखनी आवश्यक है ?

**(छ)** शौचालय साफ न रखने से क्या होगा ?

**(ज)** मनुष्य की लम्बी आयु का आधार क्या है ?

**(झ)** सफाई से रहने के लिए हमें और क्या-क्या करना चाहिए ?

**(ञ)** सफाई के अभाव में क्या-क्या हानियाँ हो सकती है, सोचकर लिखो।

**3.** वाक्य बनाओ :

सफाई ----------------------------------------

जरूरी ----------------------------------------

वातावरण ----------------------------------------

कर्तव्य ----------------------------------------

भीड़ ----------------------------------------

साफ-सुथरा ----------------------------------------

कीटाणु ----------------------------------------

स्वच्छ ----------------------------------------

4. **पढ़ो, समझो और याद रखो :**

**(क)** सफाई का मतलब है - स्वच्छता, साफ-सुथरा रहना ।

**(ख)** साफ-सुथरा रहना स्वास्थ्य का आधार-स्तम्भ है ।

**(ग)** सफाई के अभाव में हम तरह-तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं ।

**(घ)** साफ रहने से शरीर में कीटाणु प्रवेश नहीं करते और हम बीमार नहीं पड़ते ।

**(ङ)** घर के चारों तरफ हमेशा सफाई रखनी चाहिए ।

**(च)** सफाई से रहना अच्छी आदत है ।

5. **पढ़ो और समझो :**

**(क)** गन्दी बस्तियों में बीमारियाँ जल्दी फैलती हैं, क्योंकि वहाँ सफाई नहीं रहती ।

**(ख)** छात्र परीक्षा में फेल होते हैं, क्योंकि वे नहीं पढ़ते ।

**(ग)** तुम्हें पैसे नहीं मिलेंगे, क्योंकि तुम ठीक से काम नहीं करते ।

**(घ)** आज वह नहीं आएगा, क्योंकि वह बीमार है ।

6. ''क्योंकि'' शब्द का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य लिखो :

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

7. **शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

स्वच्छता, स्वास्थ्य, दायित्व, कीटाणु, आवश्यक, उद्योग, रेलवे-स्टेशन, कुल्हाड़ी, विद्यार्थी, मनुष्य, शुद्ध, मक्खी, परीक्षा, क्षत्रिय, ब्राह्मण ।

8. **देखो और लिखो :**

स्वच्छता स्वास्थ्य दायित्व शुद्ध

स्फाई का मतलब है स्वच्छता।

सफाई से रहना अच्छी आदत है।

## पाठ-चार

# राजहंस और कौवा

पुराना, बहुत, बात, जंगल, राजहंस, भोला-भाला, सहायता, पसन्द, कुटिल, खुश, दोपहर, कड़ा, धूप, बिलकुल, आराम, नींद, दया, पंख, फैलना, छाया, चैन, दुष्ट, बुद्धि, बीट, तुरन्त, दण्ड, भोगना, बुरा, संगति, हानि, पहुँचाना ।

बहुत पुरानी बात है । एक जंगल में एक राजहंस रहता था । वह बहुत भोला-भाला था । वह दूसरों की सहायता करना चाहता था । उसको सब पक्षी पसन्द करते थे । उसी जंगल में एक कौवा भी रहता था । वह बहुत कुटिल था। वह हर समय दूसरों को दुख देता था । दूसरों को दुखी देखकर वह खुश होता था ।

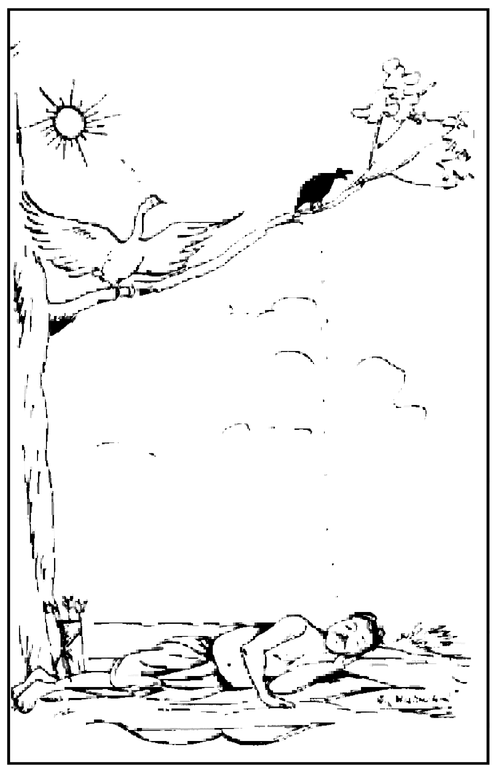

एक दिन की बात है । दोपहर की कड़ी धूप थी । एक शिकारी जंगल में आया । वह बिलकुल थका हुआ था । वह पेड़ के नीचे आराम करने के लिए बैठ गया । थोड़ी देर बाद उसे नींद आ गई । उसके मुँह पर धूप पड़ने लगी । यह देखकर राजहंस को शिकारी पर दया आई । इसलिए उसने अपने पंख फैला दिए ।

शिकारी के मुँह पर छाया हो गई । शिकारी को चैन से सोता हुआ देख कर कौवे की दुष्ट बुद्धि जाग उठी । उसने शिकारी के मुँह पर बीट कर दी । इसके बाद कौवा तुरन्त वहाँ से उड़ कर दूर चला गया ।

बीट गिरने से शिकारी की नींद टूट गई । उसने सोचा, उसके मुँह पर राजहंस ने ही बीट की है । वह आग बबूला हो गया । उसने तीर से राजहंस को मार डाला । कौवे की कुटिलता का दण्ड राजहंस को भोगना पड़ा । बुरों की संगति अच्छों को भी हानि पहुँचाती है ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

भोला-भाला = सीधा-सादा, निष्कपट।

कुटिल = दुष्ट, छली, चालबाज।

चैन = आराम, थकान या कष्ट दूर होने पर मिलने वाला सुख।

संगति = योग, मिलन।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** राजहंस का स्वभाव कैसा था ?

**(ख)** कौवे का स्वभाव कैसा था ?

**(ग)** दोपहर को कौन जंगल में आया ?

**(घ)** शिकारी कहाँ सो रहा था ?

**(ङ)** राजहंस को शिकारी पर क्यों दया आई ?

**(च)** राजहंस ने क्या किया ?

**(छ)** शिकारी ने राजहंस को क्यों मारा ?

**(ज)** बुरों की संगति का क्या परिणाम होता है ?

**(झ)** बुरी संगति किसे कहते हैं ?

**(ञ)** "बुरों की संगति अच्छों को भी हानि पहुँचाती है" – क्या तुम इस उक्ति से सहमत हो ?

**3. वाक्य बनाओ :**

भोला-भाला ----------------------------------------

पसन्द ----------------------------------------

कुटिल ----------------------------------------

चैन ----------------------------------------

दुष्ट ----------------------------------------

संगति ----------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** जंगल में ............................................... रहता था ।

**(ख)** कौवा बहुत ............................................... था ।

**(ग)** शिकारी बिलकुल ............................................... था ।

**(घ)** कौवे ने शिकारी के ..... ............................... कर दी ।

**(ङ)** कौवे की कुटिलता का दण्ड ................................ पड़ा ।

**5. सही कथन चुनो और लिखो :**

**(क)** राजहंस बहुत कुटिल था ।

**(ख)** एक शिकारी जंगल में आया ।

**(ग)** राजहंस को शिकारी पर दया आई ।

**(घ)** शिकारी ने कौवे को मार डाला ।

---------------------------------------------------

---------------------------------------------------

---------------------------------------------------

---------------------------------------------------

**6. देखो और लिखो :**

राजहंस कुटिल बुद्धि शिकारी

दोपहर की कड़ी धूप थी।

शिकारी की नींद टूट गई।

**पाठ - पाँच**

# इम्फाल : नगर और लोग

प्रिय, नमस्कार, समाचार, नगर, जानकारी, चावल, खरीदारी, वेशभूषा, आपस में, बातचीत, मुहल्ला, प्रणाम ।

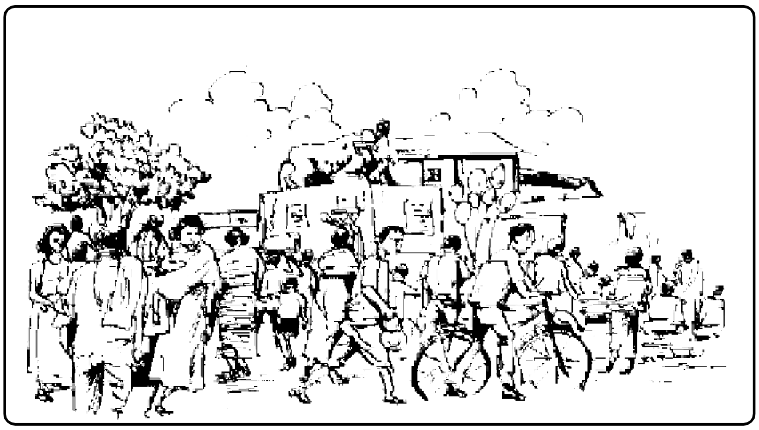

नागमपाल
इम्फाल - 795001
दिनांक - 20-9-03

प्रिय बोयाइ,

नमस्कार ।

तुम्हारा पाँच सितम्बर का पत्र मिला । समाचार जान कर प्रसन्नता हुई । तुमने अपने पत्र में इम्फाल नगर और यहाँ के लोगों की जानकारी चाही है । वह लिख रहा हूँ । इम्फाल मणिपुर की राजधानी है । मणिपुर का सब से बड़ा नगर भी इम्फाल ही है । इस नगर के बीचोंबीच एक बड़ा बाज़ार है । इसे ख्वाइरम्बन बाज़ार के नाम से जाना जाता है । इसमें तीन महिला बाज़ार आते हैं।

इनके नाम हैं - पुराना बाज़ार, लक्ष्मी बाज़ार और न्यू मार्केट । न्यू मार्केट का दूसरा नाम लिन्थोइङम्बी कैथेल भी है । मणिपुरी भाषा में कैथेल का मतलब होता है, बाज़ार । महिला बाज़ारों में केवल महिलाएँ ही कपड़े, सब्ज़ी, मछली, चावल, फल आदि बेचती हैं । पाओना बाज़ार, थाङ्गाल बाज़ार, मोरे मार्केट आदि इम्फाल के अन्य बाज़ार हैं । इन बाज़ारों में रोज अनेक लोग खरीदारी करने जाते हैं। इनकी वेश-भूषा भी कई तरह की होती है । वे आपस में बड़े प्रेम से बातचीत करते हैं । अगले पत्र में इम्फाल के मुहल्लों की जानकारी दूँगा।

माँजी और पिताजी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र

खम्बा।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

नगर = शहर।

वेशभूषा = पहनावा, पोशाक।

मुहल्ला = शहर या कसबे का एक भाग, महल्ला।

प्रणाम = नमस्कार।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** मणिपुर की राजधानी क्या है ?

**(ख)** मणिपुर का सब से बड़ा नगर कौन सा है ?

**(ग)** इम्फाल नगर के बीचोंबीच क्या है ?

**(घ)** ख्वाइरम्बन बाजार में कितने महिला बाजार हैं ?

**(ङ)** न्यू मार्केट का दूसरा नाम क्या है ?

**(च)** इम्फाल के अन्य बाज़ारों के नाम बताओ ।

**(छ)** बाज़ारों में जानेवालों की वेश-भूषा कैसी होती है ?

**(ज)** भारत का नक्शा खींच कर यह दिखाओ कि इम्फाल कहाँ है।

**(झ)** इम्फाल से दूर स्थित तीन नगरों के नाम लिखो।

**3. वाक्य बनाओ :**

नगर ------------------------------------

जानकारी ------------------------------------

राजधानी ------------------------------------

रोज ------------------------------------

वेश-भूषा ------------------------------------

बातचीत ------------------------------------

प्रणाम ------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** न्यू मार्केट का दूसरा नाम लिन्थोइङम्बी ...................... ।

**(ख)** ...................................... खरीदारी करने जाते हैं ।

**(ग)** वे आपस में ........................ से ............ करते हैं ।

**(घ)** मणिपुरी भाषा में ............ का मतलब है ............... ।

**5. इस पाठ से पाँच संज्ञा शब्द चुनो और लिखो :**

-------------- -------------- --------------

-------------- --------------

6. **देखो और लिखो :**

वेश-भूषा मुहल्ला प्रणाम प्रिय

तुम्हारा पाँच सितम्बर का पत्र

माँजी और पिताजी को प्रणाम।

पाठ-छह

# बालक

| |
|---|
| सरीखा, ज्ञान, बाधा, विद्‌या, राह, कष्ट, सहना, श्रम, चिन्ता, जान, बादल, मतवाला, रखवाला, पहरेदार, जन्मभूमि, मान । |

हम बालक हैं फूल सरीखे ।
पूजा करते ज्ञान की ॥
हम सूरज के साथ चलेंगे ।
हर बाधा को पार करेंगे ।
विद्‌या पाने की राहों में -
जितने भी हों कष्ट, सहेंगे ॥
श्रम को ही हम धर्म मानते ।
क्योंकर चिन्ता हो जान की !
हम बादल-से मतवाले हैं,
तारों-से भोले-भाले हैं ।
हमें पता है यह भी, लेकिन
हमीं देश के रखवाले हैं ॥
पहरेदारी सदा करेंगे ।
अपनी जन्मभूमि के मान की ॥

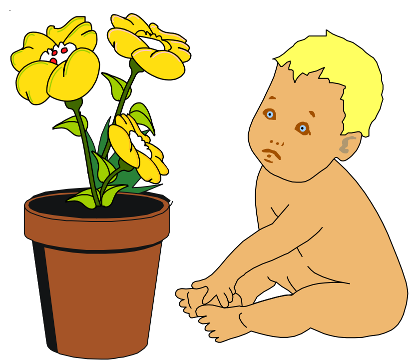

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

सरीखा = समान, तुल्य।
बाधा = कष्ट, पीड़ा, संकट।
श्रम = प्रयास, अभ्यास, परिश्रम।
पहरेदार = पहरा देने वाला, रक्षक।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** बालक किसकी पूजा करते हैं ?
**(ख)** बालक किसके साथ चलने के लिए कहते हैं ?
**(ग)** बालक किसको धर्म मानते हैं ?
**(घ)** बालक किसकी तरह मतवाले हैं ?
**(ङ)** बालक किसकी तरह भोले-भाले हैं ?
**(च)** कौन देश के रखवाले हैं ?
**(छ)** बालक के और क्या-क्या विचार हैं, उन्हें प्रकट करो।
**(ज)** बालक के विचारों से तुम कहाँ तक सहमत हो ?

**3. वाक्य बनाओ :**

बाधा ------------------------------------------

विद्या ------------------------------------------

श्रम ------------------------------------------

चिन्ता ------------------------------------------

जन्मभूमि ------------------------------------------

**4. इस कविता के दूसरे पद की चार पंक्तियों लिखो ।**

------------------------------------------

------------------------------------------

------------------------------------------

------------------------------------------

**5. इस कविता को बार-बार पढ़ो, याद करो और सुनाओ ।**

6. **देखो और लिखो :**

भोला-भाला जन्मभूमि चिन्ता

हम बादल-से मतवाले हैं।

पहरेदारी सदा करेंगे।

## पाठ -सात

# मोर

आकार, पंख, घना, मस्त, अलंकार, प्रयोग, अन्तर, साँप, शिकार, जीवन, संकट, जीव-जन्तु, रक्षा, मानव-समाज ।

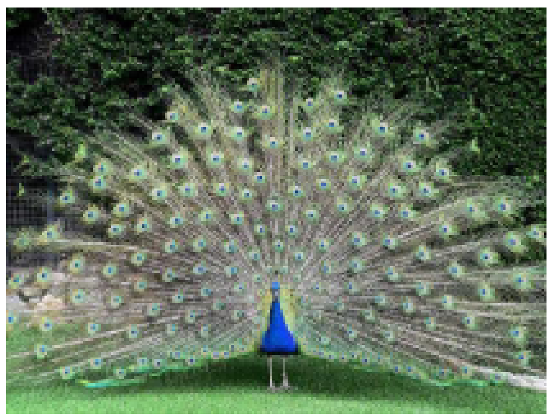

मोर एक सुन्दर पक्षी है । मोर का आकार बड़ा होता है । यह हमारा राष्ट्रीय पक्षी है । मोर के पंख देखने में सुन्दर होते हैं। मोर अपने पंख फैलाकर नाचता है । घने बादल को देखकर मस्त होकर नाचने लगता है । कुछ लोग मोर के पंखों को अलंकार रूप में भी प्रयोग करते हैं । उत्तर भारत में मोर बहुत मिलता है । यह हमारे पड़ोसी देश म्यानमार में भी मिलता है । भारत और म्यानमार के मोर में थोड़ा-सा अन्तर होता है । मोर साँप भी खाता है । आजकल शिकारी लोग मोर का शिकार करते हैं । इससे मोर का जीवन संकट में पड़ गया है । हमें जीव-जन्तुओं की रक्षा करनी चाहिए । पक्षियों को बचाना मानव-समाज को बचाना है ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1.** **नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

आकार = रूप, शक्ल, बनावट।

साँप = सर्प।

संकट = विपत्ति, मुसीबत।

रक्षा = बचाने की क्रिया, रखवाली।

**2.** **उत्तर दो :**

**(क)** मोर कैसा पक्षी है ?

**(ख)** मोर का आकार कैसा होता है ?

**(ग)** हमारा राष्ट्रीय पक्षी क्या है ?

**(घ)** मोर का पंख देखने में कैसा लगता है ?

**(ङ)** मोर कैसे नाचता है ?

**(च)** मोर कहाँ-कहाँ मिलता है ?

**(छ)** मोर क्या खाता है ?

**(ज)** पक्षियों को बचाना किसको बचाना है ?

**(झ)** हमारा राष्ट्रीय पशु क्या है ?

**(ञ)** ''पक्षियों की बचाना मानव-समाज को बचाना है।'' पक्षियों के अलावा क्या पशुओं को बचाना भी जरूरी है ?

**4. वाक्य बनाओ :**

आकार -----------------------------------------

मस्त -----------------------------------------

अन्तर -----------------------------------------

संकट -----------------------------------------

रक्षा -----------------------------------------

**5. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** मोर हमारा .................................. पक्षी है ।

**(ख)** उत्तर भारत में ........................... मिलता है ।

**(ग)** आजकल ............... मोर का ............... हैं ।

**(घ)** हमें जीव-जन्तुओं की ...................... चाहिए ।

**6. पढ़ो, समझो और याद रखो :**

**(क)** मोर राष्ट्रीय पक्षी है ।

**(ख)** मोर साँप खाता है ।

**(ग)** पक्षियों को बचाना मानव-समाज को बचाना है ।

7. **देखो और लिखो :**

आकार अलंकार मानव-समाज

मोर एक सुन्दर पक्षी है।

यह हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

पाठ -आठ

# वीर टिकेन्द्रजीत

स्वतन्त्रता, सेनानी, सन्तान, युद्धकला, सम्मान, वीरता, सौतेला, ईर्ष्या, पक्ष, हस्तक्षेप, प्रतिज्ञा, खिलाफ, विद्रोह, जनता, हड़पना, अवसर, हवाला, विवश, जल्लाद, बौखलाना, आक्रमण, लटकाना, षड्यन्त्र, साम्राज्य ।

वीर टिकेन्द्रजीत मणिपुर के स्वतंत्रता-सेनानी थे । वे चन्द्रकीर्ति महाराज की संतान थे । उनका पूरा नाम टिकेन्द्रजीत वीर सिंह था । वे युद्धकला में निपुण थे । चन्द्रकीर्ति के बाद सुरचन्द्र ने मणिपुर का सिंहासन सम्भाला । उस समय टिकेन्द्रजीत सेनापति थे । उनके सम्मान एवं वीरता को देखकर उनके सौतेले भाई उनसे जलने लगे । उनमें से एक था, पाकासना । वह टिकेन्द्रजीत से अधिक ईर्ष्या रखता था । वह अंग्रेजों का दोस्त था । सुरचन्द्र महाराज भी पाकासना के ही पक्ष में थे । अंग्रेजों ने इसका लाभ उठाया । वे शासन में हस्तक्षेप करने लगे । टिकेन्द्रजीत ने मणिपुर को बचाने की प्रतिज्ञा की । उन्होंने राजा के खिलाफ विद्रोह किया । मणिपुर की जनता टिकेन्द्रजीत के पक्ष में थी ।

सुरचन्द्र महाराज पाकासना के साथ कोलकाता भाग गए । उन्होंने अंग्रेजों से सहायता की प्रार्थना की। अंग्रेजों को मणिपुर हड़पने का अवसर मिल गया। एक रात अंग्रेज सिपाहियों ने टिकेन्द्रजीत के घर को घेर लिया । दोनों ओर से गोलियाँ चलने लगीं । टिकेन्द्रजीत ने अपनी बहादुरी से अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिए । अगले दिन शाम को अंग्रेजों ने हार मान ली । किन्तु जनता का क्रोध शान्त नहीं हुआ था । वह अंग्रेजों को अपने हवाले करने की माँग कर रही थी। विद्रोह की स्थिति पैदा हो गई । विवश होकर अंग्रेज अफसरों को जल्लादों को सौंप दिया गया ।

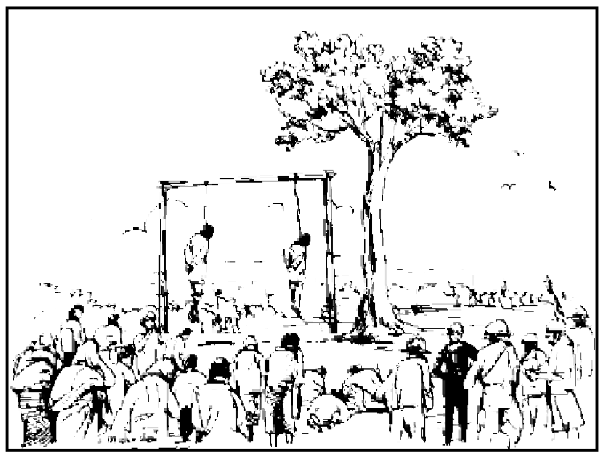

इस घटना से अंग्रेज सरकार बौखला उठी ।अंग्रेजों की एक बड़ी सेना ने मणिपुर पर आक्रमण कर दिया । युद्ध में मणिपुर हार गया । 13 अगस्त, 1891 को टिकेन्द्रजीत और जनरल थाङ्गाल को फाँसी पर लटका दिया गया। इस तरह अंग्रेज सरकार का षड्यन्त्र पूरा हुआ । मणिपुर को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया गया ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1.** **नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

स्वतन्त्रता = आजादी, स्वाधीनता।

सन्तान = औलाद।

ईर्ष्या = डाह, जलन, दूसरे की बढ़ती न देख सकना।

प्रतिज्ञा = वचन, वादा ।

विद्रोह = क्रांति, उपद्रव।

जल्लाद = हत्यारा, वधिक।

षड्यन्त्र = साजिश।

**2.** **उत्तर दो :**

**(क)** टिकेन्द्रजीत कौन थे ?

**(ख)** टिकेन्द्रजीत का पूरा नाम क्या है ?

**(ग)** टिकेन्द्रजीत किसकी सन्तान थे ?

**(घ)** वे किस कला में निपुण थे ?

**(ङ)** कौन टिकेन्द्रजीत से अधिक ईर्ष्या रखता था ?

**(च)** पाकासना किसका दोस्त था ?

**(छ)** सुरचन्द्र महाराज किसके पक्ष में थे ?

**(ज)** किसने मणिपुर के शासन में हस्तक्षेप किया ?

**(झ)** सुरचन्द्र महाराज कहाँ भाग गये ?

**(ञ)** किसने अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिए ?

**(ट)** किसने मणिपुर पर आक्रमण कर दिया ?

**(ठ)** 13 अगस्त, 1891 को मणिपुर में क्या हुआ था ?

**3. वाक्य बनाओ :**

सेनानी ------------------------------------------

सन्तान ------------------------------------------

सौतेला ------------------------------------------

प्रतिज्ञा ------------------------------------------

हड़पना ------------------------------------------

स्थिति ------------------------------------------

जल्लाद ------------------------------------------

षड्यन्त्र ------------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** वीर टिकेन्द्रजीत ························ के ················· थे ।

**(ख)** महाराज सुरचन्द्र भी ················ के ही ············· में थे ।

**(ग)** टिकेन्द्रजीत ने ·············· को ············· की प्रतिज्ञा की ।

**(घ)** अंग्रेज ··················· को ············· को सौंप दिया गया ।

**(ङ)** युद्ध में ················································ गया ।

**5. सही कथन चुनो और कॉपी पर लिखो :**

**(क)** टिकेन्द्रजीत का पूरा नाम टिकेन्द्रजीत वीर सिंह था ।

**(ख)** सुरचन्द्र के समय टिकेन्द्रजीत सेनापति थे ।

**(ग)** टिकेन्द्रजीत अंग्रेजों के दोस्त थे ।

**(घ)** सुरचन्द्र ने अंग्रेजों से सहायता की प्रार्थना की ।

**(ङ)** अंग्रेजों ने हार नहीं मान ली ।

**6. वीर टिकेन्द्रजीत की संक्षिप्त जीवनी लिखो।**

7. देखो और लिखो :

टिकेन्द्रजीत हस्तक्षेप ईर्ष्या

टिकेन्द्रजीत स्वतंत्रता-सेनानी थे।

वे चन्द्रकीर्ति महाराज की संतान थे।

पाठ-नौ

# गुरु-पूर्णिमा

| |
|---|
| पर्व, मनाना, आषाढ़, पूर्णिमा, पवित्र, सम्बन्ध, हमेशा, महत्व, आज्ञाकारी, श्रद्धा, स्थाई । |

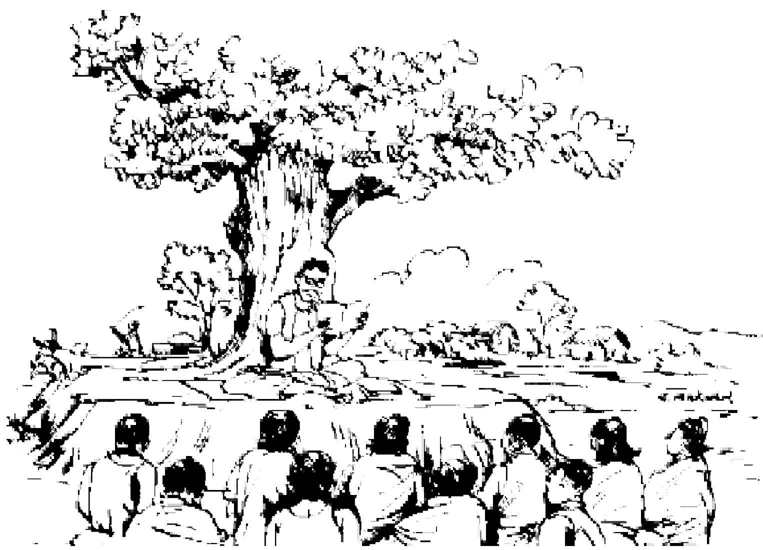

**बेटा** - पिताजी ! गुरु-पूर्णिमा क्या है ?

**पिता** - बेटा ! यह गुरु की पूजा का पर्व है ।

**बेटा** - पिताजी ! क्या यह कोई नया पर्व है ?

**पिता** - नहीं, यह बहुत पुराना पर्व है ।

**बेटा** - यह कब मनाया जाता है ?

**पिता** - यह हर साल आषाढ़ पूर्णिमा को मनाया जाता है ।

**बेटा** - यह क्यों मनाया जाता है ?

**पिता** - यह गुरु और शिष्य के पवित्र सम्बन्ध को हमेशा नया और स्थाई बनाए रखने के लिए मनाया जाता है ।

बेटा - पिताजी ! गुरु का क्या महत्व है ?

**पिता** - बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिलता । इसीलिए तो गुरु को तीन देवताओं के रूप में माना गया है ।

**बेटा** - पिताजी ! ये तीन देवता कौन-कौन हैं ?

**पिता** - बेटा ! ये तीन देवता हैं - ब्रह्मा, विष्णु और महेश ।

**बेटा** - पिताजी, शिष्य को कैसा होना चाहिए ?

**पिता** - शिष्य को आज्ञाकारी होना चाहिए । गुरु अपने शिष्य को प्रेम से देखते हैं । शिष्य को भी अपने गुरु के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए । उनके सम्मान का कोई भी अवसर अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहिए ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

पवित्र = शुद्ध, निर्मल।

आज्ञाकारी = आज्ञापालक।

श्रद्धा = विश्वास, आदर, प्रेम और भक्तियुक्त पूज्य भाव।

स्थाई = टिकने वाला, टिकाऊ (परमानेंट)।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** गुरु-पूर्णिमा क्या है ?

**(ख)** यह कब मनाया जाता है ?

**(ग)** यह क्यों मनाया जाता है ?

**(घ)** गुरु का क्या महत्व है ?

**(ङ)** तीन देवता कौन-कौन हैं ?

**(च)** शिष्य को कैसा होना चाहिए ?

**(छ)** क्या मणिपुर में गुरु-पूर्णिमा का पर्व सुचारु रूप से मनाया जाता है ?

**(ज)** गुरू की पूजा की जानी चाहिए या नहीं, इसके बारे में तुम अपने विचार व्यक्त करो।

**3. वाक्य बनाओ :**

पर्व ----------------------------------------

पवित्र ----------------------------------------

सम्बन्ध ----------------------------------------

हमेशा ----------------------------------------

स्थाई ----------------------------------------

महत्व ----------------------------------------

आज्ञाकारी ----------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** गुरु-पूर्णिमा .................. पूर्णिमा को .............. जाता है ।

**(ख)** बिना ...................... के .................... नहीं मिलता ।

**(ग)** गुरु ........................ के .................... से देखते हैं ।

**5. गुरु-पूर्णिमा के बारे में चार वाक्य लिखो ।**

----------------------------------------

----------------------------------------

----------------------------------------

----------------------------------------

6. **देखो और लिखो :**

पूर्णिमा आज्ञाकारी श्रद्धा आषाढ़

बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिलता।

शिष्य को आज्ञाकारी होना चाहिए।

पाठ-दस

# मातृभूमि

स्वर्ग, मातृभूमि, महान, वन्दनीय, स्वर्णभूमि, अभिनन्दनीय, वीरभूमि, कृपा-निधान, परित्राण, वरदान, न्योछावर ।

हे मेरी मातृभूमि ।
स्वर्ग से महान जन्मभूमि ।
हे वन्दनीय स्वर्णभूमि ।
अभिनन्दनीय वीरभूमि ॥

तुम हो माँ कृपा-निधान ।
तुम्हारे प्यार में सब का परित्राण ।
हमें चाहिए तुम्हारा वरदान ।
तुम पर न्योछावर सब के प्राण ॥

हे मेरी मातृभूमि ।
स्वर्ग से महान जन्मभूमि ॥

## प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

मातृभूमि = जन्मभूमि।
वन्दनीय = वन्दना के योग्य।
परित्राण = पूर्ण रक्षा, पूर्ण बचाव।
न्योछावर = निछावर, उत्सर्ग, त्याग।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** जन्मभूमि किससे भी महान होती है ?

**(ख)** कवि किसको कृपा-निधान कहता है ?

**(ग)** कवि किसका वरदान चाहता है ?

**(घ)** कौन प्राण न्योछावर करने के लिए कहता है ?

**(ङ)** सब का परित्राण किसमें है ?

**(च)** तुम्हारी मातृभूमि का नाम क्या है ?

**(छ)** मातृभूमि वन्दनीय क्यों है, लिखो।

**3. वाक्य बनाओ :**

महान ----------------------------------------

वन्दनीय ----------------------------------------

वरदान ----------------------------------------

परित्राण ----------------------------------------

न्योछावर ----------------------------------------

**4. पूरा करो :**

तुम हो माँ ································ ।

······················ में सब का परित्राण ।

हमें चाहिए ································ ।

तुम पर ······················ सब के प्राण ।

5. देखो और लिखो :

मातृभूमि जन्मभूमि स्वर्णभूमि

स्वर्ग से महान जन्मभूमि।

तुम हो माँ कृपा-निधान।

## पाठ-ग्यारह

# लोक्ताक

राज्य, अंचल, स्थित, विशाल, झील, असामुद्रिक, दिशा, सिंघाड़ा, बेल, जीवन-यापन, साधन, मछुआरा, घास, टापू, दर्शनीय, पर्यटन, केन्द्र, अन्य, दृश्य, जुड़ना, अभयारण्य, दुर्लभ, हिरण, निर्मल, लुप्त, लम्बाई, चौड़ाई, स्वार्थ, नुकसान, प्राकृतिक, सौन्दर्य, खिलवाड़, पर्यावरण, सन्तुलन, बिगड़ना, कठिनाई, सामना, मानवता, भलाई, कार्य ।

लोक्ताक मणिपुर राज्य के मोइराङ् अंचल में स्थित एक विशाल झील है । यह उत्तर-पूर्वी भारत की सब से बड़ी असामुद्रिक झील है । यह इम्फाल से अड़तालीस कि०मी० की दूरी पर दक्षिण दिशा में है । यह झील अनेक प्रकार की मछलियों और सिंघाड़े की बेलों से भरी है । बहुत से लोगों को लोक्ताक से जीवन-यापन के साधन मिलते हैं । लोक्ताक में मछुआरों के तैरते हुए घर भी हैं । लोक्ताक के बीच घास के छोटे छोटे तैरते टापू हैं । इसके आसपास के

स्थान बहुत दर्शनीय हैं । सेन्द्रा पर्यटन केन्द्र से चारों तरफ फैली झील का पानी और अन्य सुन्दर दृश्य देखे जा सकते हैं ।

"कैबुल लम्‌जाओ" लोक्ताक से जुड़ा राष्ट्रीय अभयारण्य है । इसमें 'सङाइ' नामक एक दुर्लभ हिरण मिलता है । यह हिरण संसार में किसी अन्य स्थान पर नहीं मिलता ।

दुःख की बात है कि लोक्ताक का पुराना निर्मल रूप धीरे-धीरे लुप्त हो रहा है । इसकी लम्बाई और चौड़ाई भी कम होती जा रही है । कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए लोक्ताक को नुकसान पहुँचा रहे हैं । वे इसके प्राकृतिक सौन्दर्य से खिलवाड़ कर रहे हैं । इससे पर्यावरण-सन्तुलन बिगड़ने का डर है । यदि लोक्ताक के सही रूप को बचा कर नहीं रखा गया तो हमें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है ।

लोक्ताक को बचाना पर्यावरण की रक्षा करना है । यह मानवता की भलाई का कार्य है ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

विशाल = बड़ा, विस्तृत।

टापू = द्वीप।

दर्शनीय = देखने, दर्शन करने योग्य।

स्वार्थ = अपना फायदा, अपना काम।

सौन्दर्य = सुन्दरता।

पर्यावरण = चारों ओर की स्थिति, अड़ोस-पड़ोस।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** लोक्ताक मणिपुर की किस जगह पर स्थित है ?

**(ख)** यह इम्फाल से कितनी दूरी पर है ?

**(ग)** लोक्ताक किस किससे भरी पड़ी है ?

**(घ)** लोक्ताक के बीच कैसे टापू हैं ?

**(ङ)** कैबुल लमजाओ क्या है ?

**(च)** सङाइ कहाँ मिलता है ?

**(छ)** लोक्ताक झील का पुराना रूप बिगाड़ने से क्या हो जाएगा ?

**(ज)** मणिपुर की दो प्रसिद्ध झीलों का नाम लिखो।

**(झ)** मणिपुर का नक्शा खींच कर उसमें लोक्ताक झील के आस-पास स्थित सेन्द्रा, थांग, कराङ – इन तीन दर्शनीय स्थलों को चिह्नित करो।

**3. वाक्य बनाओ :**

विशाल ---------------------------------------

साधन ---------------------------------------

टापू ---------------------------------------

आस-पास ---------------------------------------

पैदावार ---------------------------------------

लम्बाई ---------------------------------------

नुकसान ---------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** लोक्ताक के ………… के ……………… तैरते ………… हैं।

**(ख)** इसमें …………………… नामक एक ……………… मिलता है।

**(ग)** इसकी ………… और ………… भी ………… होती जा रही है।

**(घ)** इससे …………………… बिगड़ने का …………………… है।

**(ङ)** यह …………………… की …………………… का कार्य है।

**5. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोक्ताक | में<br>के | एक विशाल झील<br>असामुद्रिक झील<br>इम्फाल से अड़तालीस कि. मी. दूर<br>सिंघाड़े की बेलें होती<br>आसपास के स्थान बहुत दर्शनीय | है ।<br>हैं । |

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

**6. लोक्ताक के बारे में पाँच वाक्य लिखो :**

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

**7. इस पाठ से पाँच विशेषण-शब्द चुनो और लिखो :**

-------------- -------------- --------------

-------------- --------------

8. **देखो और लिखो :**

लोकताक सौन्दर्य मछुआरा

लोकताक असामुद्रिक झील है।

कैबुललमजाओ राष्ट्रीय अभयारण्य है।

पाठ- बारह

# हवाई-जहाज

हवाई-जहाज, विज्ञान, अनमोल, देन, तेज, आकाश, गति, स्टेशन, विमान-पत्तन, हवाई-अड्डा, उड़ान, आविष्कार, यातायात, सुगम, मंजिल, अमूल्य, श्रेय, निवासी, कहानी, रोचक, कठोर, कठिन, परिश्रम, परीक्षण, फलस्वरूप, विश्व, आश्चर्य, तिरपाल, प्रयास, खबर, अनुपम ।

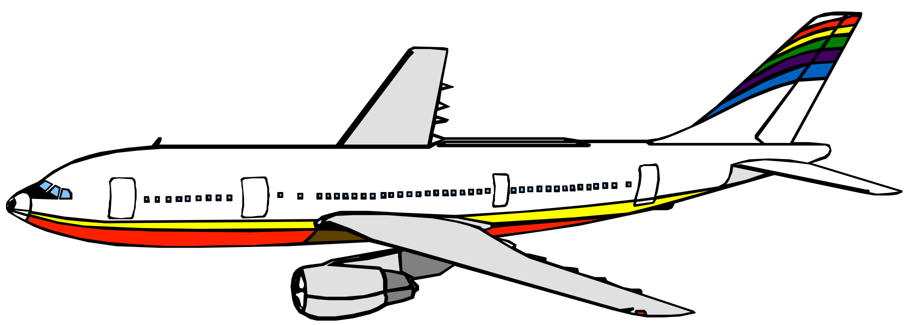

बच्चो ! ऊपर का चित्र देखो । यह हवाई-जहाज का चित्र है । यह विज्ञान की एक अनमोल देन है । तुम लोग सड़क पर तेज गति से दौड़ती मोटर कारें देखते हो। यह भी मोटर कार जैसा होता है । मोटर-कार आकाश में नहीं उड़ सकती । हवाई-जहाज आकाश में उड़ सकता है । इसकी गति मोटर-कार से अधिक होती है । यह चिड़ियों की तरह आकाश में उड़ता है । यह आकाश-मार्ग से जाता है । आकाश-मार्ग में यह बीच में नहीं रुकता । इसके रुकने के लिए जगह-जगह स्टेशन बनते हैं । इसके स्टेशन को विमान-पत्तन या हवाई-अड्डा कहते हैं। हवाई-जहाज हवाई-अड्डे से उड़ान भरता है और किसी हवाई-अड्डे पर ही उतरता है ।

हवाई-जहाज यातायात को सुगम बनाता है और कम समय में अपनी मंजिल पर पहुँच सकता है । तुम लोग जानते हो, यह अमूल्य देन किसकी है ? हवाई-जहाज के आविष्कार का श्रेय 'राइट बन्धुओं' को है । उनके नाम हैं - ओरवील राइट और विलबर राइट । वे अमेरिका के निवासी थे । हवाई-जहाज के आविष्कार की कहानी बहुत रोचक है । उनके कठोर परिश्रम और कठिन परीक्षण के फलस्वरूप हवाई-जहाज की सफल उड़ान 18 दिसम्बर सन् 1903 को हुई । इस उड़ान में उनका हवाई-जहाज आकाश में 3 मीटर की ऊँचाई तक ऊपर उठकर 12 सेकण्ड में 40 मीटर की दूरी तक उड़ सका था । यह विश्व में सबसे पहली हवाई-जहाज की उड़ान थी । आश्चर्य की बात यह है कि वह हवाई-जहाज लकड़ी और तिरपाल से बनाया गया था । उनके प्रयास की सफलता की खबर विश्व भर में फैल गई थी । उनका प्रयास अनुपम था ।

मणिपुर में हवाई-अड्डा इम्फाल-चुड़ाचाँदपुर रोड पर है। इसका नाम 'तुलिहल हवाई-अड्डा' है। मणिपुर में एक पुराना हवाई-अड्डा भी था। उसका नाम 'कोइरेंगै हवाई-अड्डा' है। आजकल इसे काम में नहीं लाया जाता।

भारत के मुख्य शहर आकाश-मार्ग से जुड़े हुए हैं । भारत के प्रमुख शहरों में हवाई-जहाज से जाया जा सकता है । मणिपुर के प्रमुख हवाई रास्ते हैं - इम्फाल-सिलचर, इम्फाल-आइजल, इम्फाल-गुवाहाटी, इम्फाल-कोलकाता और इम्फाल-दिल्ली । इन शहरों में हवाई-जहाज इम्फाल से सीधा जाता है । बच्चो ! सुन ली तुम लोगों ने हवाई-जहाज की यह कहानी !

## प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

अनमोल = अमूल्य, बहुमूल्य।
यातायात = आना-जाना, ट्रैफिक।
आश्चर्य = अचरज, अचम्भा।
अनुपम = बे-जोड़, सर्वोत्तम।

2. **उत्तर दो :**

**(क)** हवाई-जहाज कहाँ उड़ता है ?
**(ख)** हवाई-जहाज कैसा होता है ?
**(ग)** हवाई-अड्डा क्या है ?
**(घ)** हवाई-जहाज का आविष्कार किन्होंने किया ?
**(ङ)** हवाई-जहाज के आविष्कारक कहाँ के रहनेवाले थे ?
**(च)** विश्व में सब से पहली हवाई-जहाज की सफल उड़ान कब हुई ?
**(छ)** मणिपुर में हवाई-अड्डा कहाँ है ?
**(ज)** इम्फाल से कहाँ-कहाँ तक हवाई-जहाज से सीधा जाया जा सकता है ?
**(झ)** किन्हीं तीन हवाई-अड्डों के नाम लिखो।
**(ञ)** हवाई-जहाज से तुम दिल्ली जाओगे तो तुम्हें कैसा लगेगा ? लिखो।

3. **वाक्य बनाओ :**

अनमोल ---------------------------------------

उड़ान ---------------------------------------

यातायात ---------------------------------------

अमूल्य ---------------------------------------

परिश्रम ---------------------------------------

अनुपम ---------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** मोटर-कार ...................... में नहीं ................ सकती ।

**(ख)** यह ................ की तरह .............. में .............. है ।

**(ग)** हवाई-जहाज के ............ की ........... बहुत .......... है ।

**(घ)** मणिपुर में ........................................ रोड पर है ।

**(ङ)** भारत के .................. आकाश-मार्ग से ............. हुए हैं ।

**5. सही वाक्य चुनकर लिखो :**

**(क)** हवाई-जहाज चिड़ियों की तरह आकाश में उड़ता है ।

**(ख)** हवाई-जहाज के रुकने के स्टेशन को हवाई-अड्डा कहते हैं ।

**(ग)** हवाई-जहाज की सफल उड़ान 17 दिसम्बर, सन् 1903 को हुई ।

**(घ)** मणिपुर का हवाई-अड्डा इम्फाल-ककचिङ् रोड पर है ।

**(ङ)** इम्फाल से सीधे मुम्बई हवाई-जहाज से जाया जा सकता है ।

-------------------------------------------

-------------------------------------------

-------------------------------------------

-------------------------------------------

-------------------------------------------

6. **देखो और लिखो :**

हवाई-जहाज आविष्कार आश्चर्य

हवाई-जहाज विज्ञान की देन है।

हवाई-जहाज आकाश में उड़ता है ।

### पाठ-तेरह

# व्यायाम और स्वास्थ्य

| |
|---|
| स्वास्थ्य, धन, आरोग्य, कसरत, कहावत, दौलत, मस्तिष्क, आसान, विधि, जरूरी, शुद्ध, सेवन, आवश्यक, मुद्रा, साधन, बदन । |

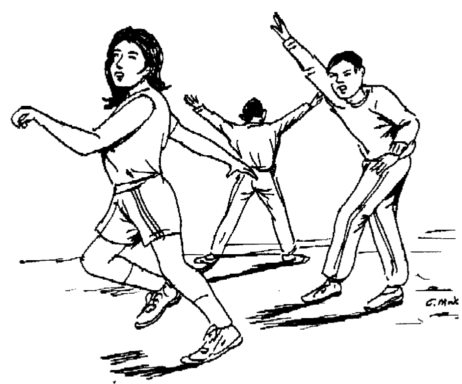

स्वास्थ्य ही धन है । स्वास्थ्य का अर्थ है आरोग्य । स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम करना चाहिए । व्यायाम का मतलब है, कसरत करना । कहावत है, 'दौलत खोई तो कुछ नहीं खोया । स्वास्थ्य खो गया तो सब कुछ खो गया ।' इस दौलत को पाने के लिए नियम से रहना चाहिए ।

कसरत करने से शरीर मज़बूत रहता है । स्वस्थ शरीर में रोगों से लड़ने की शक्ति रहती है । स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क भी रहता है ।

हमें नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए । लेकिन व्यायाम करना आसान काम नहीं है । इसके लिए भी शिक्षक चाहिए । स्कूल में शरीर-शिक्षा के अध्यापक होते हैं । हमें उनसे व्यायाम की विधियाँ सीखनी चाहिए । स्वस्थ रहने के लिए समय पर सोना, समय पर उठना, समय पर खाना और समय पर घूमना चाहिए । सफाई से रहना भी बहुत जरूरी है । स्वास्थ्य के लिए शुद्ध पानी और शुद्ध हवा का सेवन करना बहुत आवश्यक है । सही मुद्रा में उठना, बैठना और चलना भी व्यायाम का ही अंग है । खेल-कूद में भाग लेना भी स्वस्थ रहने का साधन है । केवल कसरत करने से ही बदन मज़बूत नहीं होता । इसलिए खाने-पीने पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

स्वास्थ्य = आरोग्य, स्वस्थता।

कसरत = व्यायाम।

दौलत = धन, सम्पत्ति।

आसान = सरल।

आवश्यक = जरूरी।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** स्वास्थ्य का क्या अर्थ है ?

**(ख)** व्यायाम का क्या मतलब है ?

**(घ)** कसरत करने से क्या होता है ?

**(ङ)** स्वस्थ शरीर में कैसी शक्ति रहती है ?

**(छ)** स्वस्थ रहने के लिए क्या-क्या करना चाहिए ?

**(झ)** खाने-पीने पर ध्यान देना क्यों जरूरी है ?

**(छ)** स्वास्थ्य और व्यायाम का पारस्परिक सम्बन्ध क्या है ?

**(ज)** क्या तुम व्यायाम करते हो ? व्यायाम के बारे में चार वाक्य लिखो।

**3. वाक्य बनाओ :**

स्वस्थ ---------------------------------------

दौलत ---------------------------------------

कसरत ---------------------------------------

मजबूत ---------------------------------------

व्यायाम ---------------------------------------

आसान ------------------------------------------

आवश्यक ------------------------------------------

साधन ------------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** व्यायाम का मतलब है ································ ।

**(ख)** स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ ······························ ।

**(ग)** हमें नियमित रूप से ···································· ।

**(घ)** खेल-कूद में भाग लेना भी ···························· ।

**(ङ)** खाने-पीने पर भी ध्यान देना ·························· ।

**5. सही कथन के आगे ✓ का निशान लगाओ :**

**(क)** स्वास्थ्य का अर्थ है आरोग्य । ☐

**(ख)** व्यायाम करना आसान काम है । ☐

**(ग)** सही मुद्रा में उठना, बैठना और चलना भी व्यायाम का ही अंग है । ☐

**(घ)** केवल कसरत करने से ही बदन मजबूत नहीं होता । ☐

**6. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

स्वास्थ्य, स्वस्थ, आरोग्य, व्यायाम, मस्तिष्क, बुद्धि, विद्यार्थी, कर्तव्य, प्यासा, त्याग।

**7. देखो और लिखो :**

स्वास्थ्य आरोग्य मस्तिष्क मुद्रा

स्वास्थ्य का अर्थ है आरोग्य।

व्यायाम का मतलब है कसरत करना।

## पाठ-चौदह

# तप्ता

गाँव, हिनहिनाना, आवाज, घुड़साल, चुपचाप, घुसना, प्रयास, बन्द, गुस्सा, चिल्लाना, छिपना, टटोलना, बचाना, खींचना, अन्धेरा, अचानक, जल्दी, पीठ, तेज, ओर, थोड़ा, देर, सुबह, उजाला, घबराना, चीख, चौंकना, छलांग ।

बहुत पुराने समय की बात है । रात का समय था । एक बाघ शिकार करने के लिए निकला। वह एक गाँव में आया । उसने घोड़े के हिनहिनाने की आवाज सुनी । पास ही घुड़साल थी । उसमें बहुत से घोड़े थे। बाघ ने घुड़साल में से एक घोड़ा पकड़ना चाहा । वह चुपचाप घोड़ों के बीच घुस गया । घुड़साल के मालिक का घर भी पास ही था । उस समय घर के मालिक का छोटा बच्चा रो रहा था । माँ ने उसको चुप करने का प्रयास किया, लेकिन बच्चे का रोना बन्द नहीं हुआ । इस पर माँ ने गुस्से में चिल्लाते हुए कहा - ''तप्ता आ गया है । चुप हो जा । तप्ता आ गया है ।'' तप्ता का नाम सुनते ही बच्चे का रोना बन्द हो गया ।

उसी समय एक चोर भी घोड़ा चुराने के लिए घुड़साल में आ पहुँचा । बाघ घबरा गया । बाघ ने उस चोर को ही तप्ता समझा । वह चुपचाप घोड़ों के बीच छिप गया । चोर एक अच्छा और मोटा घोड़ा चुनना चाहता था । उसने टटोलते-टटोलते बाघ के मोटे पैर को पकड़ा । बाघ बहुत डर गया । उसने सोचा, ''हाय ! मैं बच नहीं पाऊँगा ।'' चोर उसे बाहर खींच लाया । डर के मारे बाघ ने सिर उठाकर चोर को नहीं देखा । चोर ने भी रात के अंधेरे में बाघ को घोड़ा ही समझा । अचानक घर के मालिक की आवाज सुनाई पड़ी । चोर जल्दी से बाघ की पीठ पर चढ़ गया और भाग गया ।

बाघ तो पहले से ही डरा हुआ था। वह तेज़ी से दौड़ने लगा । इस तरह चोर बाघ पर बैठ कर जंगल की ओर चला गया ।

थोड़ी देर बाद सुबह होने लगी । चारों ओर उजाला फैलने लगा । चोर बाघ को देखते ही घबरा गया । डर के मारे उसकी चीख निकल गई । चीख सुन कर बाघ चौंक गया । उसने बहुत तेज छलांग मारी । चोर नीचे गिर गया । बाघ ने भी डर के मारे पीछे मुड़कर नहीं देखा । वह वहाँ से नौ-दो ग्यारह हो गया ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

घुड़साल = अस्तबल।
प्रयास = प्रयत्न, कोशिश।
अन्धेरा = अन्धकार।
अचानक = सहसा।
उजाला = प्रकाश, रोशनी।
चीख = चिल्लाने की आवाज, चिल्लाहट।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** बाघ क्यों निकला ?
**(ख)** बाघ ने क्या करना चाहा ?
**(ग)** बच्चा क्या कर रहा था ?
**(घ)** चोर क्या करने के लिए आया ?
**(ङ)** बाघ ने चोर को क्या समझा ?
**(च)** चोर ने बाघ को क्या समझा ?
**(छ)** चोर कैसे भाग गया ?
**(ज)** चोर ने बाघ को कब पहचाना ?
**(झ)** बाघ को देखते ही चोर को क्या हुआ ?
**(ञ)** बाघ ने पीछे मुड़कर क्यों नहीं देखा ?
**(ट)** दो मणिपुरी लोककथाओं का नाम लिखो ?
**(ठ)** 'तप्ता' का सारांश लिखो।

**3. वाक्य बनाओ :**

आवाज ------------------------------------------
घुड़साल ------------------------------------------
प्रयास ------------------------------------------
टटोलना ------------------------------------------
अन्धेरा ------------------------------------------
अचानक ------------------------------------------
उजाला ------------------------------------------
चीख ------------------------------------------

4. **वाक्य पूरे करो :**

**(क)** एक बाघ शिकार ........................... ।

**(ख)** बाघ ने घुड़साल में से ........................... ।

**(ग)** तप्ता का नाम सुनते ही........................... ।

**(घ)** बाघ ने उस चोर को ........................... ।

**(ङ)** चोर ने भी रात के अन्धेरे में ..................... ।

**(च)** चोर बाघ पर बैठ कर ........................... ।

**(छ)** बाघ ने डर के मारे ............................... ।

5. **सही कथन के आगे (4) का निशान और गलत कथन के आगे (5) का निशान लगाओ :**

**(क)** बाघ चुपचाप घोड़ों के बीच घुस गया । ☐

**(ख)** एक चोर भी घोड़ा चुराने के लिए घुड़साल में आ पहुँचा । ☐

**(ग)** चोर ने घोड़े के मोटे पैर को पकड़ा । ☐

**(घ)** चोर जल्दी से घोड़े की पीठ पर चढ़ गया । ☐

**(ङ)** चोर बाघ को देखते ही घबरा गया । ☐

6. **देखो और लिखो :**

घुड़साल छलांग अन्धेरा जलदी

तप्ता का नाम सुनते ही

बच्चे का रोना बन्द हो गया।

पाठ - पन्द्रह

# कोयल रानी

डाली, फुदकना, कोयल, वन, उपवन, जग, रस, घोलना, नव, वसन्त, दूत, कूक, अजब, मतवाला, बौर, चट, मुख, तोलना, मन, अपनेपन ।

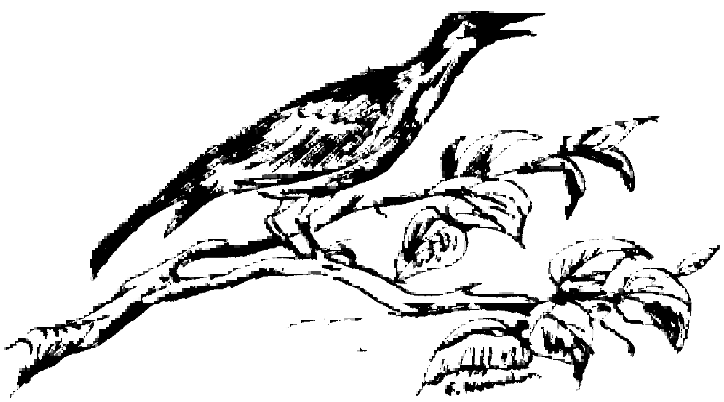

डाली-डाली फुदक-फुदक कर,
कोयल रानी बोल रही है ।
वन-उपवन में; जग-जीवन में,
जीवन का रस घोल रही है ॥

नव वसन्त की दूत कोकिला,
इसकी कूक अजब मतवाली ।
आम-बौर ने इसे बुलाया,
चट उड़ आई भोली-भाली ॥

मीठे स्वर में हम से कहती,
हम भी सब से मीठा बोलें ।
जो भी कहना चाहें मुख से,
पहले उसको मन में तोलें ॥

दिशा-दिशा में घूम-घूम कर,
अपनेपन के गीत सुनाती ।
हम भी सब को अपना समझें,
कहती जाती, उड़ती जाती ॥

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

डाली = शाखा।
फुदकना = कुदना, उछलते हुए चलना।
वन = जंगल
जग = संसार।
अजब = विचित्र, अचरज।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** डालियों पर फुदक कर कौन बोल रही है ?
**(ख)** कोयल किसकी दूत है ?
**(ग)** कोयल हम से क्या कहती है ?
**(घ)** मन में क्या तोलना चाहिए ?
**(ङ)** कोयल कैसे गीत सुनाती है ?
**(च)** कोयल जैसे एक पक्षी का नाम लिखो।
**(छ)** क्या तुम ने कोयल देखी? यदि देखी तो तुम्हारे मन में कैसा लगा?
**(ज)** यह कविता बार-बार पढ़ो, याद करो और सुनाओ।

**3. वाक्य बनाओ :**

फुदकना ------------------------------------------

दूत ------------------------------------------

दिशा ------------------------------------------

अपनेपन ------------------------------------------

मुख ------------------------------------------

अजब ------------------------------------------

**4. पूरा करो :**

नव वसन्त की ........................,

इसकी कूक ..........................।

.......................... इसे बुलाया,

चट उड़ आई ........................।

**5. ''कोयल रानी'' कविता के किसी एक पद की चार पंक्तियाँ याद करके लिखो :**

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

6. **देखो और लिखो :**

वसन्त मतवाला उपवन डाली

नव वसन्त की दूत कोकिला

इसकी कूक अजब मतवाली

पाठ-सोलह

# हमारा पर्यावरण

दैनिक, तरफ, जड़, निर्मित, वातावरण, पर्यावरण, जैविक, अजैविक, जमीन, हवा, भौतिक, अन्तर्गत, प्राणी, भोजन, साँस, संभव, मनुष्य, समस्त, शुद्ध, अनिवार्य, प्रदूषित, मौत, कारण, संख्या, गर्मी, योग्य, धुएँ, विषय, शोर, खराब, प्रभाव, विपरीत, धरती ।

हम अपने दैनिक जीवन में अपने चारों तरफ हजारों चीजें देखते हैं। इनमें पेड़-पौधे, नदियाँ, पहाड़, खेत, पशु-पक्षी, दुकानें, कारें, बसें आदि हैं । इन सभी जीवित और जड़ चीजों से निर्मित वातावरण में हम रहते हैं । इसको कहते हैं - पर्यावरण । हमारे पर्यावरण को दो भागों में विभाजित किया जा सक्ता है - जैविक पर्यावरण और अजैविक पर्यावरण । जमीन, पानी और हवा इन सब को हम अजैविक पर्यावरण कहते हैं । इसको भौतिक पर्यावरण कहकर भी जाना जाता है । जैविक पर्यावरण के अन्तर्गत सभी प्राणी आते हैं । हम इस जमीन

पर घर बनाकर रहते हैं, पानी पीते हैं, भोजन करते हैं, हवा में साँस लेते हैं। इससे सभी प्राणियों का जीवन संभव होता है ।

मनुष्य ही नहीं, समस्त प्राणियों के जीवित रहने के लिए जैविक और अजैविक पर्यावरण का शुद्ध रहना अनिवार्य है । प्रदूषित पर्यावरण से घिर कर हम मौत की तरफ बढ़ते हैं । आज कुछ कारणों से जंगल कटते जा रहे हैं। वनों की संख्या कम होती जा रही है। इससे गर्मी बढ़ती जा रही है । पीने योग्य पानी कम होता जा रहा है। मोटरों के धुएँ से हवा प्रदूषित हो रही है । शोर भी लगातार बढ़ रहा है । इन सब कारणों से हमारा पर्यावरण बिगड़ रहा है । यह चिन्ता का विषय है ।

खराब पर्यावरण का प्रभाव हर प्राणी पर विपरीत ही पड़ता है । इस धरती के पर्यावरण को अच्छा और शुद्ध बनाए रखने के लिए विचार करने का समय आ पहुँचा है ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

वातावरण = परिस्थिति, एटमॉस्फियर।
भौतिक = भूत-सम्बन्धी, पार्थिव।
अनिवार्य = अटल, अत्यावश्यक।
विपरीत = उलटा।

**2.** **उत्तर दो :**

**(क)** पर्यावरण किसे कहते हैं ?

**(ख)** पर्यावरण को कितने भागों में विभाजित किया जा सकता है ?

**(ग)** भौतिक पर्यावरण किसे कहते हैं ?

**(घ)** पर्यावरण का शुद्ध रहना क्यों अनिवार्य है ?

**(ङ)** गर्मी क्यों बढ़ती जा रही है ?

**(च)** मोटरों से क्या-क्या हो रहा है ?

**(छ)** पर्यावरण के अन्तर्गत क्या-क्या आते हैं ?

**(ज)** आजकल पर्यावरण-संरक्षण बहुत जरूरी हो गया है, इस सम्बन्ध में तुम्हारी राय क्या है ?

**3.** **वाक्य बनाओ :**

दैनिक ----------------------------------------

पौधे ----------------------------------------

जड़ ----------------------------------------

वातावरण ----------------------------------------

भौतिक ----------------------------------------

संभव ----------------------------------------

लगातार ----------------------------------------

चिन्ता ----------------------------------------

प्रभाव ----------------------------------------

विपरीत ----------------------------------------

4. **वाक्य पूरे करो :**

**(क)** प्रदूषित पर्यावरण से घिर कर हम ...................... ।

**(ख)** मोटरों के धुएँ से ...................................... ।

**(ग)** वनों की संख्या ........................................... ।

**(घ)** कुछ कारणों से जंगल .............................. ।

**(ङ)** खराब पर्यावरण का प्रभाव .......................... ।

5 **सही कथन चुनो और लिखो :**

**(क)** सभी जीवित और जड़ चीजों से निर्मित वातावरण में हम रहते हैं।

**(ख)** अजैविक पर्यावरण को भौतिक पर्यावरण भी कहते हैं ।

**(ग)** वनों की संख्या बढ़ने से गर्मी बढ़ती जा रही है ।

**(घ)** वनों की संख्या कम होने से पीने योग्य पानी कम होता जा रहा है।

...............................................................

...............................................................

...............................................................

...............................................................

6. **तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो और वाक्य बनाओ :**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| हमारे<br>जैविक<br>प्रदूषित<br>खराब | पर्यावरण | को<br>के<br>से<br>का | दो भागों में विभाजित किया जा सकता<br>अन्तगर्त सभी प्राणी आते<br>घिर कर हम मौत की तरफ बढ़ते<br>प्रभाव हर प्राणी पर विपरीत ही पड़ता | है ।<br>हैं । |

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

**7. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

मीठा, मिठाई, ठंडा, ठग, आठ, झूठ, चिट्ठी, कंठ, ठीक, ठेला, अट्ठारह।

**8. देखो और लिखो :**

पर्यावरण प्रदूषित अन्तर्गत भौतिक

हम हवा में साँस लेते हैं।

शोर भी लगातार बढ़ रहा है।

**पाठ- सत्रह**

# याओशङ्

आजकल, भीड़, हलचल, साल, प्रमुख, त्योहार, मनाना, होली, समान, फाल्गुन, तैयारी, संस्कृति, घास-फूस, मूर्ति, भजन, आरती, अबीर, पिचकारी, बिलकुल, शुरू, प्रांगण, एकादशी, सम्पन्न, खेलकूद, आयोजन, सन्दर्भ, तात्पर्य, प्रयोजन, विशेष, सामूहिक, सन्ध्या, मध्यरात्रि, वृत्त, वंशीवादन, वाद्य, सम्मिलित, गुंजन, परम्परा, भेद-भाव, आनन्दपूर्वक ।

**रोमा सेठी** - आजकल बाजार में बहुत भीड़ है । हर जगह हलचल है ।

**चाँदनी देवी** - हाँ रोमा । याओशङ् के समय हर साल ऐसा होता है ।

**रोमा सेठी** - अच्छा, याओशङ् क्या है ?

**चाँदनी देवी** - यह मणिपुर का एक प्रमुख त्योहार है । यह अन्य राज्यों में मनाई जाने वाली 'होली' के समान है । यह फाल्गुन पूर्णिमा के दिन शुरू होता है और छह दिन तक चलता है । पूर्णिमा के दिन से थोड़े दिन पहले ही याओशङ् की तैयारियाँ होने लगती हैं। यह हमारी संस्कृति से जुड़ा हुआ है । याओशङ् घास-फूस की बनाई हुई झोंपड़ी होती है । पूर्णिमा के दिन शाम को इसी झोंपड़ी में गौरांग महाप्रभु की

मूर्ति रखकर पूजा करने के बाद इसे जलाया जाता है । जलाने से पूर्व लोग भजन-आरती करते हैं । यह एक धार्मिक त्योहार है।

**रोमा सेठी** - अच्छा, क्या इसमें अबीर लगाते हैं और पिचकारी चलाते हैं ?

**चाँदनी देवी** - बिलकुल, होली को तुम लोग रंगों का त्योहार कहते हो; उसी तरह याओशङ् भी रंगों का त्योहार है । पूर्णिमा के दिन शाम को अबीर लगाना शुरू होता है । दूसरे दिन को 'पिचकारी' कहा जाता है । उसी दिन से पिचकारी चलाना शुरू होता है । श्री श्री गोविन्दजी के प्रांगण में 'होली-गान' गाया जाता है । एकादशी के दिन से श्री श्री गोविन्दजी के प्रांगण में शुरू किया गया होली-गान पिचकारी के दिन सम्पन्न होता है । याओशङ् के छठे दिन को 'हलंकार' कहा जाता है । इस दिन श्री श्री विजयगोविन्दजी के मंदिर में भी होली-गान गाया जाता है ।

**रोमा सेठी** - याओशङ् में लोग क्या-क्या करते हैं ?

**चाँदनी देवी** - बच्चे घर-घर जाकर पैसे माँगते हैं । लड़कियाँ सड़क पर आने-जाने वाले पुरुषों से पैसे माँगती हैं । लड़के लड़कियों को अबीर लगाते हैं और पिचकारी चलाते हैं । 'होली' गाई जाती है और खेल-कूद का आयोजन होता है । साथ ही 'थाबल चोङ्बा नृत्य' भी होता है ।

**रोमा सेठी** - 'होली' और 'थाबल चोङ्बा नृत्य' क्या हैं ?

**चाँदनी देवी** - मणिपुर के सन्दर्भ में 'होली' का तात्पर्य अन्य राज्यों की होली से बहुत भिन्न है । तुम लोगों की होली मणिपुर का याओशङ् है ।

याओशङ् को मणिपुर में होली नहीं कहा जाता । मणिपुर में होली का अर्थ एक विशेष नाच-गान लिए होता है । यह केवल याओशङ् के दिनों में ही किया जाता है । यह श्री कृष्ण और श्री चैतन्य महाप्रभु के गुण-गान से संबंधित सामूहिक नाच-गान है ।

थाबल चोङ्बा नृत्य सन्ध्या के बाद शुरू होकर मध्य-रात्रि तक चलता है । युवक-युवतियाँ एक-दूसरे का हाथ पकड़कर एक वृत्त में नाचते हैं । एक गायक गाना गाता है, वंशी-वादन होता है और ढोल बजाया जाता है । यह नृत्य परंपरा से संबंधित है ।

याओशङ् एक ऐसा त्योहार है, जिसे लोग ऊँच-नीच, अमीर-गरीब आदि का भेद-भाव भूलकर एक साथ आनन्द पूर्वक मनाते हैं ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

त्योहार = पर्व।

आयोजन = तैयारी, प्रबन्ध।

वंशीवादन = बाँसी बजाना।

परम्परा = चला आता हुआ अटूटसिलसिला।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** याओशङ् कैसा त्योहार है ?

**(ख)** याओशङ् कब मनाया जाता है ?

**(ग)** याओशङ् कितने दिन मनाया जाता है ?

**(घ)** याओशङ् किससे जुड़ा हुआ है ?

**(ङ)** होली और याओशङ् में क्या समानता है ?

**(च)** पिचकारी के दिन लोग क्या-क्या करते हैं ?

**(छ)** हलंकार के दिन कहाँ क्या होता है ?

**(ज)** याओशङ् में लोग क्या-क्या करते हैं ?

**(झ)** होली कब गाई जाती है ?

**(ञ)** थाबल चोङ्बा नृत्य क्या है ?

**(ट)** याओशङ् जैसे दो धार्मिक त्योहारों का नाम लिखो।

**(ठ)** याओशङ् में तुम लोग क्या-क्या करते हो ?

**3. वाक्य बनाओ :**

आजकल ----------------------------------------

भीड़ ----------------------------------------

हलचल ----------------------------------------

त्योहार ----------------------------------------

संस्कृति ----------------------------------------

प्रांगण ----------------------------------------

सम्पन्न ----------------------------------------

आयोजन ----------------------------------------

विशेष ----------------------------------------

सामूहिक ----------------------------------------

रात्रि ----------------------------------------

गुंजन ----------------------------------------

परम्परा ----------------------------------------

**4. याओशङ् के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।**

----------------------------------------

----------------------------------------

----------------------------------------

----------------------------------------

----------------------------------------

**5. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** याओशङ् फाल्गुन पुर्णिमा के ………………………………… ।

**(ख)** श्रीगोविन्दजी के प्रांगण में ………………………………… ।

**(ग)** मणिपुर में होली का अर्थ ………………………………… ।

**(घ)** याओशङ् के दूसरे दिन को ………………………………… ।

**(ङ)** लड़कियाँ सड़क पर आने-जाने वाले ………………………… ।

**6. ''याओशङ्'' पाठ से पाँच क्रियाएँ चुनो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो :**

--------- ----------------------------------

--------- ----------------------------------

--------- ----------------------------------

--------- ----------------------------------

--------- ----------------------------------

**7. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

डर, डमरु, डबल, ड्रम, डाक, डाकू, डाली, ड्रामा, डूप, डोर।

8. **देखो और लिखो :**

फाल्गून संस्कृति आनन्दपूर्वक

याओशङ् मणिपुर का त्योहार है।

याओशङ् में थाबलचोङ्बा नृत्य होता है।

## पाठ-अट्ठारह

# रानी लक्ष्मीबाई

तलवार, अभ्यास, मुँहबोला, भिड़ना, दाँव-पेंच, टिकना, जीत, घुड़सवारी, रास, थामना, मैदान, मौजूद, चुनौती, स्वीकार, चमक, तैरना, मुकाबला, हार, बदला, जोर, एड़, पलक, झपकना, खुशी, ठिकाना, बचपन, देहान्त, लालन-पालन, छबीली, भाला, कुश्ती, बन्दूक, जन्मजात, वीरांगना, विवाह, मृत्यु, स्वाधीनता, संग्राम, हमला, दत्तक, आजादी, विशाल, सेना, बलिदान, अमर।

सुबह का समय था । मनु तलवार चलाने का अभ्यास कर रही थी । थोड़ी देर बाद एक बालक वहाँ आया । वह मनु का मुँहबोला भाई था । उसका नाम नाना साहब था । मनु को तलवार चलाते देख बालक ने कहा -

''मेरे साथ तलवारबाज़ी करोगी ?''

''उठाओ तलवार । आओ सामने'' - बालिका ने उत्तर दिया ।

दोनों की तलवारें भिड़ गईं । मनु के दाँव-पेंच के सामने नाना साहब की तलवार नहीं टिक सकी । वह जीत गई।

मनु नाना साहब

शाम के समय मनु घुड़सवारी सीखती थी । वह अपने घोड़े की रास थामे मैदान में पहुँची । उसका भाई पहले से ही वहाँ मौजूद था । वह बोला - ''घुड़सवारी में मुझे हराओ तो जानूँ ।''

''मुझे तुम्हारी चुनौती स्वीकार है'' मनु की आँखों में चमक तैरने लगी ।

मनु और नाना साहब के बीच घुड़सवारी का मुकाबला शुरू हो गया। नाना साहब अपना घोड़ा तेजी से दौड़ा रहा था । वह सुबह की हार का बदला लेना चाहता था । मनु समझ गई । उसने अपने घोड़े को ज़ोर की एड़ लगाई । उसका घोड़ा हवा से बातें करने लगा । उसने पलक झपकते ही नाना साहब के घोड़े को पीछे छोड़ दिया । मनु फिर जीत गई । उसकी खुशी का ठिकाना न रहा।

बड़ी होकर मनु, रानी लक्ष्मीबाई बनी । उसे सब लोग झाँसी की रानी के नाम से भी जानते हैं। उसके पिता का नाम मोरोपंत ताँबे था । बचपन में ही उसकी माँ का देहान्त हो गया था । पिता उसे बिठुर ले आए थे । मनु का लालन-पालन पेशवा बाजीराव के यहाँ हुआ । वह बहुत बातें बनाती थी । वह सुन्दर भी थी । पेशवा उसे छबीली कहा करते थे। मनु ने बचपन में ही

घुड़सवारी, तलवारबाज़ी भाला चलाना, बन्दूक चलाना, कुश्ती लड़ना सीख लिया था । वह जन्मजात वीरांगना थी ।

मनु का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ था । राजा की मृत्यु के बाद लक्ष्मीबाई ने झाँसी का शासन संभाला । सन 1857 में स्वाधीनता संग्राम फूट पड़ा । अंगरेज़ों ने झांसी पर हमला कर दिया । लक्ष्मीबाई ने अपने दत्तक पुत्र, दामोदर राव गंगाधर राव को पीठ पर बाँध लिया । उन्होंने आज़ादी की रक्षा के लिए कमर कस ली । उन्होंने बहादुरी के साथ अंगरेजों की विशाल सेना का मुकाबला किया । उनका साहस देख सब ने दाँतों तले अंगुलियाँ दबा लीं ।

रानी लक्ष्मीबाई ने जन्म-भूमि के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। वे इतिहास में अमर हो गईं ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

चुनौती = युद्ध।
देहान्त = मृत्यु, स्वर्गवास।
स्वाधीनता = स्वतन्त्रता, आजादी।
बलिदान = त्याग।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** सुबह के समय मनु क्या कर रही थी ?
**(ख)** मनु को तलवार चलाते देख बालक ने क्या कहा ?
**(ग)** बालिका ने क्या उत्तर दिया ?
**(घ)** शाम के समय मनु क्या करती थी ?
**(ङ)** मनु के पिता का क्या नाम था ?
**(च)** छबीली किसका नाम था ?
**(छ)** मनु का विवाह किसके साथ हुआ था ?
**(ज)** स्वाधीनता संग्राम कब फूट पड़ा ?

**(झ)** रानी लक्ष्मीबाई ने किसके लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया ?

**(ञ)** लक्ष्मीबाई को झाँसी की रानी क्यों कहा गया है ?

**(ट)** रानी लक्ष्मीबाई की पूरी जीवनी समझने की कोशिश करो।

**3. वाक्य बनाओ :**

अभ्यास ------------------------------------------

मुँहबोला ------------------------------------------

मैदान ------------------------------------------

मौजूद ------------------------------------------

चुनौती ------------------------------------------

चमक ------------------------------------------

मुकाबला ------------------------------------------

पलक ------------------------------------------

ठिकाना ------------------------------------------

छबीली ------------------------------------------

वीरांगना ------------------------------------------

आजादी ------------------------------------------

**4. वाक्य पूरे करो :**

**(क)** मनु और नाना साहब के बीच ………………… शुरू हो गया ।

**(ख)** वह सुबह की हार का……………………………………………।

**(घ)** बड़ी होकर मनु ………………………………………………।

(ङ) पेशवा ............................................ करते थे ।

(ङ) उन्होंने ................................ का मुकाबला किया ।

**5. सही कथन के आगे '✓' का निशान और गलत कथन के आगे '×' का निशान लगाओ :**

(क) सब लोग लक्ष्मीबाई को झाँसी की रानी के नाम से जानते थे । ☐

(ख) लक्ष्मीबाई सुन्दर नहीं थी । ☐

(ग) पति की मृत्यु के बाद लक्ष्मीबाई ने झांसी का शासन सम्भाला । ☐

(घ) दामोदर राव लक्ष्मीबाई का सगा पुत्र था । ☐

(ङ) लक्ष्मीबाई ने अंगरेजों की विशाल सेना का मुकाबला किया । ☐

**6. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

ढंग, ढोल, ढोग, ढाल, ढेला, ढाई, मेंढक।

7. **देखो और लिखो :**

रानी लक्ष्मीबाई संग्राम छबीली

लक्ष्मीबाई जन्मजात वीरांगना थी।

वे इतिहास में अमर हो गईं ।

## पाठ-उन्नीस
# रक्षा-बंन्धन

कक्षा, राजकाज , शत्रु, संकट, राखी, कूच, रक्षा-बन्धन, स्नेह, कलाई, मुसीबत, वचन, उत्साह, इन्तजार, सहेली, बेसब्री, रोली, मिठाई, सजाना, माथा, तिलक, टुकड़ा, हृदय, भावुक, प्राण, कामना ।

सीमा चौथी कक्षा की छात्रा है। वह पढ़ने में मन लगाती है। वह अध्यापकों की बातें ध्यान से सुनती है । आज उसके कक्षाध्यापक ने कक्षा में एक कहानी सुनाई -

''चित्तौड़ की महारानी का नाम कर्मवती था। पति की मृत्यु के बाद वे राजकाज चलाने लगीं। एक बार की बात है, उनके राज्य पर पड़ोसी शत्रु राजा ने आक्रमण कर दिया । महारानी कर्मवती की सेना छोटी थी। वह शत्रु की विशाल सेना का सामना नहीं कर सकती थी । कर्मवती ने इस संकट के समय बादशाह हुमायुँ को राखी भेजी । हुमायुँ समझ गया कि उसे अपनी धर्म-बहन की रक्षा करनी है । वह सेना के साथ कूच की तैयारी करने लगा ।''

इसके बाद कक्षाध्यापक ने पूछा-''बच्चो ! तुम जानते हो, यह कहानी मैंने तुम्हें क्यों सुनाई ?''

''नहीं गुरुजी, आप हमें बताइए ।'' सीमा खड़ी होकर बोली ।

''कल रक्षा-बंधन का त्योहार है । भाई-बहन के स्नेह का त्योहार। इसमें बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं । भाई मुसीबत में अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है । रक्षाबंधन के लिए कल स्कूल बंद रहेगा ।''

सीमा उत्साह में भरी हुई घर लौटी । माँ से बोली, ''माँ, क्या राखी लेने बाज़ार नहीं चलोगी, कल रक्षाबंधन का त्योहार है !''

माँ ने कहा, ''मैं तो तुम्हारा ही इन्तज़ार कर रही थी। हाथ-मुँह धोकर कुछ खा-पी लो तो बाज़ार चलें ।''

सीमा तैयार होकर अपनी माँ के साथ बाज़ार गई । वहाँ अनेक दुकानों पर राखियाँ सजी हुई थीं । स्त्रियों और लड़कियों की भीड़ थी । वे सब सुन्दर-सुन्दर राखियाँ खरीद रही थीं । सीमा की कुछ सहेलियाँ भी राखी खरीदने गई थीं ।

सीमा राखी खरीद कर लौटी । वह बेसब्री से रात बीतने का इन्तज़ार करने लगी । सवेरा होते ही नहा-धोकर तैयार हो गई । उसने नए कपड़े पहने । एक थाली में चावल, रोली, मिठाई के साथ राखी सजाई । तब तक उसका बड़ा भाई, मोहन भी तैयार हो गया था। सीमा ने अपने भाई के सिर पर नया रुमाल रखा । माथे पर रोली-चावल का तिलक लगाया । फिर उसकी कलाई पर राखी बांधी । उसके बाद मिठाई का एक टुकड़ा अपने भाई के मुँह में रख दिया । मोहन का हृदय भावुक हो गया । उसने मन ही मन कहा ''सीमा, यह भाई अपने प्राण देकर भी तुम्हारी रक्षा करेगा।'' सीमा ने भी मन ही मन कहा, ''भैया, मैं हमेशा आपकी भलाई की कामना करूँगी। आप भी हमेशा मेरी रक्षा करना ।''

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

आक्रमण = हमला, चढ़ाई।

इन्तजार = प्रतीक्षा।

मुसीबत = संकट।

कामना = इच्छा, आकांक्षा।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** सीमा कौन-सी कक्षा की छात्रा है ?

**(ख)** अध्यापक ने कर्मवती की कहानी क्यों सुनाई थी ?

**(ग)** राखी बाँधने का क्या अर्थ है ?

**(घ)** सीमा ने बाज़ार में क्या देखा ?

**(ङ)** सीमा ने थाली में क्या-क्या सजाया ?

**(च)** सीमा ने अपने भाई को राखी कैसे बाँधी ?

**(छ)** सीमा के भैया ने मन ही मन क्या कहा ?

**(ज)** सीमा ने मन ही मन क्या कहा ?

**(झ)** मणिपुर में प्रचलित रक्षा-बन्धन जैसे त्योहार का नाम क्या है ?

**(ञ)** रक्षा-बन्धन के सम्बन्ध में चार वाक्य लिखो।

**3. वाक्य बनाओ :**

राजकाज ------------------------------------

पड़ोसी ------------------------------------

आक्रमण ------------------------------------

संकट ------------------------------------

स्नेह ------------------------------------

मुसीबत ----------------------------------------

उत्साह ----------------------------------------

इन्तजार ----------------------------------------

टुकड़ा ----------------------------------------

भावुक ----------------------------------------

कामना ----------------------------------------

4. **वाक्य पूरे करो :**

**(क)** चित्तौड़ की महारानी का ...................................... ।

**(ख)** कर्मवती ने संकट के समय .................... को ............. ।

**(ग)** सीमा तैयार होकर ................................................ ।

**(घ)** सवेरा होते ही सीमा .............................................. ।

**(ङ)** सीमा ने अपने भाई के सिर पर ..................................।

5. **रक्षा-बन्धन के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।**

----------------------------------------------

----------------------------------------------

----------------------------------------------

----------------------------------------------

----------------------------------------------

6. **''रक्षा-बन्धन'' नामक पाठ से पाँच क्रियाएँ चुनो और उनका वाक्यों में प्रयाग करो :**

---------- ----------------------------------

---------- ----------------------------------

---------- ----------------------------------

---------- ----------------------------------

---------- ----------------------------------

**7. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| रक्षा-बन्धन | में | भाई-बहन के स्नेह का त्योहार<br>बहनें भाईयों की कलाई पर राखी बाँधती<br>बहनें भाईयों के माथे पर रोली-चावल का तिलक लगाती<br>बहनें हमेशा भाईयों की भलाई की कामना करती<br>भाई बहनों की रक्षा करने का वादा करते | है।<br><br>हैं। |

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

------------------------------------------------

**8. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

गण, गुण, गौण, बाण, प्रणाम, वाणी, परिणाम, हिरण, अर्पण।

9. **देखो और लिखो :**

रक्षा-बन्धन इन्तजार उत्साह

रक्षा-बन्धन का त्योहार

भाई-बहन के स्नेह का त्योहार

पाठ-बीस

# विविधता में एकता

पुकारना, जलवायु, विविध, ऋतु, आस्था, निवास, निराकार, देवता, आकार, विश्वास, विरोध, मस्जिद, नमाज, अदा, आराधना, भगवान, अग्नि, प्राचीन, मान्यता, प्रत्येक, प्रार्थना, नागरिक, महत्व, निरपेक्ष, मूल, मानवता, भाईचारा, एकता, परोपकार, प्रमुख, भाषा, आधुनिक, साहित्य, महान, निर्माता, पहचान, उन्नति ।

हमारे देश का नाम भारतवर्ष है । शकुन्तला के पुत्र भरत के नाम पर इसका यह नाम पड़ा । इसे हिन्दुस्तान और इण्डिया भी पुकारा जाता है । भारत एक विशाल देश है । यहाँ की जलवायु विविध प्रकार की है । विविध ऋतुएँ इसकी प्रकृति को पूरे साल हरा भरा रखती हैं ।

यहाँ विविध धर्मों में आस्था रखने वाले लोग निवास करते हैं । आर्य लोग अपने घरों में या आर्यसमाज मन्दिर में निराकार भगवान की पूजा करते हैं । हिन्दू मन्दिरों में विविध देवताओं की पूजा करते हैं । वे भगवान के साकार रूप में विश्वास रखते हैं, किन्तु भगवान के निराकार रूप से भी उनका विरोध नहीं है । मुसलमान इस्लाम धर्म का पालन करते हैं । वे मस्जिद में नमाज़ अदा करते हैं। सिक्ख गुरुद्वारे में गुरु ग्रन्थ साहब की पूजा करते हैं । जैन धर्म को मानने वाले भगवान महावीर की आराधना करते हैं । बौद्ध लोग भगवान बुद्ध को पूजते हैं। पारसी लोग अग्नि-पूजक हैं । मीतै जाति में हिन्दू धर्म और प्राचीन मीतै धर्म की मान्यता है । ईसाइयों के धर्म-स्थल चर्च कहलाते हैं । वे प्रत्येक रविवार को वहाँ जाकर प्रार्थना में भाग लेते हैं ।

भारत में सभी नागरिकों को अपने धर्म का पालन करने की आज़ादी है । यहाँ का शासन किसी धर्म विशेष के आधार पर नहीं चलता । सरकार सभी

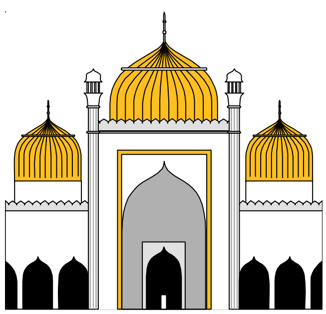

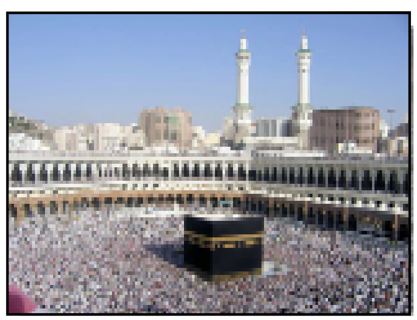

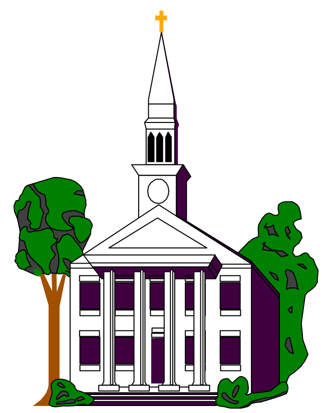

धर्मों को बराबर महत्व देती है । भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है ।

वेद, उपनिषद, गीता, भागवत, कुरान, बाइबिल, ज़िदावेस्त आदि ग्रन्थों में विविध धर्मों की विशेषताएँ बताई गई हैं । अलग-अलग धर्मों की पुस्तकें होते हुए भी उनकी मूल शिक्षाएँ समान हैं । ये सभी धर्म-ग्रन्थ मानवता, भाईचारा, समानता, प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, एकता, परोपकार आदि गुण सिखाते हैं ।

हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, गुजराती, पंजाबी, बंगला, असमीया, ओड़िया, मणिपुरी, उर्दू आदि भारत की प्रमुख भाषाएँ हैं । इनका प्राचीन और आधुनिक साहित्य महान है । हिन्दी हमारी राष्ट्र-भाषा है तथा अन्य सभी राष्ट्रीय भाषाएँ हैं । ये सभी भाषाएँ भारतीय साहित्य की निर्माता हैं । भारतीय साहित्य भारतीय संस्कृति और समाज की पहचान है ।

भारत के विविध धर्मों, भाषाओं और साहित्य ने मिल कर भारतीयता को जन्म दिया है । भारतीयता ही हमारी राष्ट्रीय पहचान है । हम सब भारतीय हैं। हम सब एक होकर अपने देश की उन्नति के लिए कार्य करेंगे ।

## प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझो :**

आस्था = विश्वास, आदर।
आराधना = पूजा, उपासना।
प्रार्थना = विनती।
निर्माता = बनाने वाला, स्रष्टा।

**2. उत्तर दो :**

**(क)** हमारे देश का क्या नाम है ?
**(ख)** हमारे देश का नाम कैसे पड़ा ?
**(ग)** आर्य लोग कैसे भगवान की पूजा करते हैं ?
**(घ)** हिन्दू कैसे भगवान में विश्वास करते हैं ?
**(ङ)** मुसलमानों के धर्म का क्या नाम है ?
**(च)** सिक्ख किसकी पूजा करते हैं ?
**(छ)** बौद्‌ध किसे पूजते हैं ?
**(ज)** मीतै कौन-से धर्म को मानते हैं ?
**(झ)** भारत कैसा राष्ट्र है ?

**(ञ)** भारत की प्रमुख भाषाएँ कौन-कौन सी हैं ?

**(ट)** हमारी राष्ट्रीय पहचान क्या है ?

**(ठ)** ''सारा विश्व एक परिवार है।'' – इस उक्ति के बारे में तीन वाक्य लिखो।

**(ढ)** 'विविधता में एकता' को अंग्रजी में क्या कहते हैं ?

**3. वाक्य बनाओ :**

जलवायु ---------------------------------------------

प्रकृति ---------------------------------------------

हराभरा ---------------------------------------------

आस्था ---------------------------------------------

निवास ---------------------------------------------

आराधना ---------------------------------------------

प्रार्थना ---------------------------------------------

महान ---------------------------------------------

निर्माता ---------------------------------------------

पहचान ---------------------------------------------

**4. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| भारत | एक विशाल<br>विभिन्न धर्मों<br>विविध जातियों<br>अनेक भाषाओं<br>विभिन्न संस्कृतियों | का | देश है । |

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

5. **सही कथन चुनो और लिखो :**

**(क)** भारत की जलवायु विविध प्रकार की है ।
**(ख)** हिन्दू भगवान के निराकार रूप में विश्वास रखते हैं ।
**(ग)** मुसलमान मस्जिद में नमाज अदा करते हैं ।
**(घ)** ईसाइयों के धर्म-स्थल चर्च कहलाते हैं ।
**(ङ)** सरकार सभी धर्मों को बराबर महत्व देती है ।
**(च)** भारत की सभी भाषाएँ राष्ट्र-भाषाएँ हैं ।

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

-----------------------------------------

6. **वाक्य पूरे करो :**

**(क)** हमारे देश का नाम ...................................... ।
**(ख)** भारत में विविध धर्मों में आस्था ............................ ।

(ग) सिक्ख गुरुद्वारे में ................................................ ।

(घ) मीतै जाति में ................................................ ।

(ङ) भारत का शासन किसी धर्म विशेष के ........................... ।

**7. शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ो :**

बढ़ना, पढ़ना, बूढ़ा, मोढ़ा, गाढ़ा, बढ़िया, बुढ़िया, बढ़ई।

**8. देखो और लिखो :**

निरपेक्ष परोपकार विश्वास उन्नति

भारत एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र है।

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है।

# नागरिकों के मूल कर्तव्य

**प्रत्येक नागरिक -**

**क.** संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे ।

**ख.** स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे ।

**ग.** भारत की संप्रभुता एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे ।

**घ.** देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे ।

**ङ.** भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे, जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों ।

**च.** हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे ।

**छ.** प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्दर वन, झील, नदी और वन्य-जीव हैं - रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दया भाव रखे।

**ज.** वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे ।

**झ.** सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे ।

**ञ.** व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके ।

## अध्यापकों के लिए निर्देश

नागरिकों के इन मूल कर्तव्यों का विधान भारत के संविधान के भाग IV-क के अनुच्छेद 51 में किया गया है । यहाँ उन्हें 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद' द्वारा 'विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा' शीर्षक पुस्तक के पृ. 35 एवं' 36 से ग्रहण करके प्रस्तुत किया गया है ।

विषय-अध्यापक के लिए आवश्यक है कि वह छात्रों से कक्षा में इनका बार-बार पाठ कराए, इनकी व्याख्या करके समझाए और छात्रों को कंठस्थ कराए ।

# राष्ट्र गान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंग,
विंध्य-हिमाचल, यमुना-गंगा
उच्छल जलधि-तरंग,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे ।

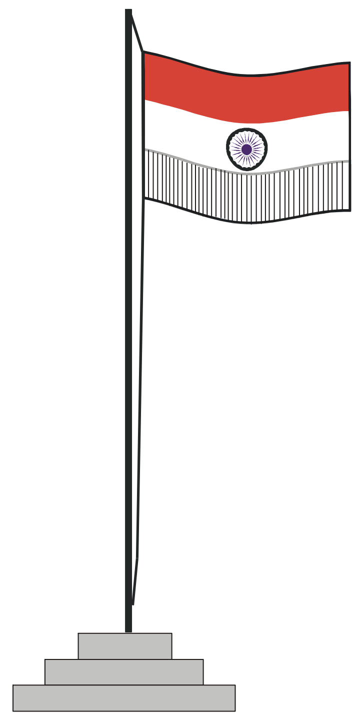

-----------